Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 26
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 02 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 आत्मनिर्भर नए भारत के निर्माण की प्रक्रिया...

4 हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति ....

7 भारत में बदलेगी खेलों की तस्वीर, बजट...

संक्षिप्त न्यूज

सीएम भूपेंद्र पटेल बोले- पीएम मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करेगा यह बजट

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट में गरीबों, युवाओं, खाद्य प्रदाताओं, नारी शक्ति और दिव्यांगजनों को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास और आत्मनिर्भर राष्ट्र के दृष्टिकोण को दर्शाता है। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने हमेशा आम जनता को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में यह बजट एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए सुधार की रफ्तार को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने लगातार नौवीं बार बजट पेश करने पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन में तैयार किया गया यह बजट तीन मुख्य कर्तव्यों पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य समाज के प्रमुख स्तंभों को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि इसमें ज्ञान, गरीबों, युवाओं, खाद्य प्रदाताओं, नारी शक्ति और दिव्यांगजनों के स्तंभों को मजबूत किया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि बजट में ऐसा दृष्टिकोण अपनाया गया है जिससे समाज के हर वर्ग को 'सौना साथ, सौना विकास' के मंत्र के अंतर्गत शामिल किया जा सके। पटेल ने कहा कि बुनियादी ढांचे, उद्योगों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और डेटा केंद्रों पर विशेष ध्यान देने से आर्थिक विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'एमएसएमई पर जोर देने से लघु और सूक्ष्म उद्योगों को काफी लाभ होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन से गुजरात के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने रसद और कनेक्टिविटी पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'डांकुनी से सूरत तक समर्पित माल ढुलाई गलियारा राज्य के व्यापार, उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र के लिए तेज रसद सेवाएं प्रदान करेगा।

रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि, कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं: बजट 2026-27 की प्रमुख विशेषताएँ

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वर्ष 2026-27 का आम बजट प्रस्तुत किया। लगभग 85 मिनट के बजट भाषण में आम नागरिकों को कोई प्रत्यक्ष बड़ी राहत नहीं दी गई। इस बजट का मुख्य ध्यान रक्षा, स्वास्थ्य और रेल परिवहन क्षेत्रों पर केंद्रित रहा। आयकर दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया, हालांकि कर विवरणी भरने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कुछ राहतें दी गई हैं।

इस बजट में वैश्विक-राजनीतिक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रस्तुत इस पहले बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए बड़े प्रावधान किए गए हैं।

रक्षा और सुरक्षा पर विशेष बल

सरकार ने रक्षा बजट को 6.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। इस प्रकार

कुल रक्षा बजट में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

सेनाओं के आधुनिकीकरण और हथियारों की खरीद के लिए व्यय को 1.80 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2.19 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो लगभग 22 प्रतिशत अधिक है।

इसके अतिरिक्त–

विमान और वायुयान इंजन विकास के लिए 64 हजार करोड़ रुपये

नौसेना के लिए 25 हजार करोड़ रुपये

सैनिक पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये

का प्रावधान किया गया है।

कर व्यवस्था और आयकर विवरणी

आयकर स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालाँकि करदाताओं को राहत देते हुए संशोधित आयकर विवरणी दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है। नया आयकर अधिनियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा तथा विवरणी प्रपत्रों को सरल बनाया गया है, ताकि सामान्य नागरिक आसानी से कर विवरणी भर सकें।

स्वास्थ्य और आयुर्वेद

कैंसर उपचार में प्रयुक्त 17 आयातित दवाओं पर लगने वाला 5 प्रतिशत सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मांसपेशी क्षय जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएँ भी शुल्क-मुक्त होंगी।सरकार ने तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणा की है। भारत को वैश्विक जैव-औषधि निर्माण केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अगले 5 वर्षों में एक लाख स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

हरित ऊर्जा, कृषि और रोजगार

लिथियम-आयन बैटरी तथा ऊर्जा भंडारण प्रणालियों से संबंधित उपकरणों पर कर छूट बढ़ाई गई है, जिससे विद्युत वाहन सस्ते हो सकते हैं। कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़े रोजगार बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया है। नारियल, काजू-कोको, चंदन उद्योग तथा हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

सरकार की आय और राजकोषीय स्थिति

वर्ष 2030-31 तक कुल ऋण को सकल घरेलू उत्पाद के 50 प्रतिशत के आसपास लाने का लक्ष्य। राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत से घटाकर 4.3 प्रतिशत करने का लक्ष्य। वर्ष 2026-27 में अनुमानित आय 36.5 लाख करोड़ रुपये तथा व्यय 53.5 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

रेल, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण

देश में 7 उच्च-गति रेल गलियारे बनाए जाएंगे, जिनमें– मुंबई-पुणे
पुणे-हैदराबाद
हैदराबाद-बेंगलुरु
हैदराबाद-चेन्नई
चेन्नई-बेंगलुरु
दिल्ली-वाराणसी
वाराणसी-सिलीगुड़ी
शामिल हैं।

केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक कदमः रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि संसद में पेश किया गया बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उत्तर पश्चिमी दिल्ली के त्रिनगर इलाके में स्थानीय निवासियों के साथ एक कार्यक्रम में बजट प्रस्तुति देखने के बाद पत्रकारों से कहा कि बजट हर वर्ग को ध्यान में रखता है और व्यापार एवं व्यवसाय के विभिन्न आयामों को बढ़ावा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसमें हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ है, विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार सृजन, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण एवं विकास, खेलकूद, विदेशों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने पर छूट।'' उन्होंने कहा, ''आपदा प्रबंधन के लिए शहरों को दिए जाने वाले अनुदानों को लेकर दिल्ली से हमें काफी उम्मीदें हैं।'

गुप्ता ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को देश का 'शानदार' बजट पेश करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि राज्यों के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन एक सराहनीय प्रयास है, जिससे उन्हें आपातकालीन प्रतिक्रिया अवसंरचना को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ने 2026-2031 के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे पर 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट भी पेश की।

सीतारमण ने लोकसभा में 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाता रहेगा।

बजट 2026 को पीएम मोदी ने बताया 'गेम चेंजर' बोले- विकसित भारत की उड़ान के लिए मजबूत नींव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को भारत के विकसित भारत 2047 के सफर की मजबूत नींव बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि यह देश में चल रही 'सुधार की रफ्तार' को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश किया। उन्होंने लगातार नौवां बजट पेश किया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के सपने की उड़ान के लिए एक मजबूत नींव है। यह बजट भारत में चल रही 'सुधार की रफ्तार' को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। अभूतपूर्व सुधारों ने भारत के साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए खुले आसमान के नीचे विकास के अवसर प्रदान किए हैं। हमारा प्रयास कौशल, व्यापकता और स्थिरता को निरंतर मजबूत करना रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक सबसे बड़ी संपत्ति हैं और सरकार ने उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व निवेश किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिक होते हैं। हाल के वर्षों में, हमारी सरकार ने अपने नागरिकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व निवेश किया है। राजकोषीय और आर्थिक रणनीति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा अनूठा बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रण में लाने पर केंद्रित है और इसके साथ ही, इस बजट में उच्च पूंजीगत व्यय और उच्च विकास का संयोजन भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को और मजबूत करता है। भारत के 14 करोड़ नागरिक न केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट हैं, बल्कि हम जल्द से जल्द तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। यह देश के करोड़ों नागरिकों का संकल्प है। विश्व के एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक सहयोगी और एक विश्वसनीय गुणवत्तापूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में, भारत की भूमिका निरंतर विस्तारित हो रही है। भारत द्वारा हाल ही में हस्ताक्षरित व्यापार समझौतों - सर्वव्यापी समझौतों की जननी - का अधिकतम लाभ भारत के युवाओं और भारत के लघु एवं मध्यम उद्योगों को मिलना चाहिए। इस दिशा में बजट में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने केंद्रीय बजट को बताया 'संकल्प से सिद्धि', बोले- यह विकसित भारत 2047 का रोडमैप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' बताया। नितिन नबीन ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रस्तावित योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनसे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं कर्तव्य भवन में तैयार किए गए बजट का स्वागत करता हूं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा नौवीं बार बजट पेश करना भाजपा की नीतिगत स्थिरता और सुशासन को दर्शाता है। यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' का सिद्धांत इस बजट में झलकता है। साथ ही, यह विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' वाला बजट है। नितिन नबीन ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत 7 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है। यह दर्शाता है कि हमने अपने जीडीपी को कैसे मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित किया है।

बजट में गहराई है। यह युवाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। विनिर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जा रहा है और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर में 40, 000 करोड़ रुपये और बायो फार्मा में 10, 000 करोड़ रुपये का निवेश इस सोच को दर्शाता है कि हम रोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हैं।

आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 40, 000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0 की शुरुआत की घोषणा की, जिसका उद्देश्य देश के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उपकरण और सामग्री का उत्पादन करना, पूर्ण-स्टैक भारतीय बौद्धिक संपदा का डिजाइन तैयार करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए, वित्त मंत्री ने बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल और महत्वपूर्ण खनिजों के निर्माण में उपयोग होने वाली पूंजीगत वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क छूट का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक वस्तुओं के आयात पर मूल सीमा शुल्क छूट को 2035 तक बढ़ाने और इसे सभी परमाणु संयंत्रों के लिए, उनकी क्षमता की परवाह किए बिना, विस्तारित करने का प्रस्ताव करती हूं। वित्त मंत्री ने आगे कहा, 'मैं बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल बनाने में इस्तेमाल होने वाली पूंजीगत वस्तुओं पर दी जाने वाली मूल सीमा शुल्क छूट को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए लिथियम-आयन सेल बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं पर भी लागू करने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सौर कांच के निर्माण में उपयोग होने वाले सोडियम एंटीमोनेट के आयात पर मूल सीमा शुल्क छूट देने का प्रस्ताव करता हूं।

सीईसी से मुलाकात से पहले सीएम का आरोप

'आगामी चुनाव में तय हार की वजह से एसआईआर का दुरुपयोग कर रही भाजपा'

कोलकाता।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की विपक्षी पार्टी की आगामी विधानसभा चुनाव में हार तय है, जिस कारण वह (मतदाता सूची के) विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का दुरुपयोग कर रही है।

मुख्य चुनाव से मुलाकात करेंगी मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात की। वह सोमवार की शाम दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) से मुलाकात करने वाली हैं। उन्होंने कहा, वह (भाजपा) जानते हैं कि बंगाल में हारेंगे। इसलिए एसआईआर का दुरुपयोग कर रहे हैं।

'हिम्मत है तो राजनीतिक रूप से लड़ें लड़ाई'

उन्होंने आगे कहा, अगर भाजपा में हिम्मत है, तो मैं उनसे अपील करूंगी कि चुनाव आयोग (ईसीई) और एजेंसियों

का इस्तेमाल करने के बजाय राजनीतिक और लोकतांत्रिक रूप से चुनाव लड़ें। ममता बनर्जी ने दावा किया कि इसी तरह की प्रथाएं अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों को प्रभावित कर चुकी हैं। भाजपा को चुनौती देते हुए ममता ने कहा, मैं उनसे कहूंगी, अगर हिम्मत है तो राजनीतिक लड़ाई लड़ो। हम इंच-इंच लड़ने के लिए तैयार हैं।

सीईसी को देंगी एसआईआर से जुड़े मुद्दों की जानकारी

ममता बनर्जी सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सीईसी से मुलाकात के दौरान मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़े मुद्दे उठाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने सांसदों को एसआईआर के नाम पर की जा रही कोशिशों के बारे में जानकारी देंगी।

उन्होंने कहा, मैं उन्हें बताऊंगी कि एसआईआर के नाम पर क्या हो रहा है। वे (भाजपा) संघीय ढांचे को कैसे खत्म करना चाहते हैं? मैं सब बताऊंगी। हमने क्या किया, यह भी बताऊंगी।

केंद्रीय बजट 2026-27 पर राहुल गांधी ने साधी चुप्पी, बोले- कल संसद में दूंगा जवाब

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे सोमवार को संसद के मंच से बोलेंगे। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना लगातार नौवां बजट पेश किया, जिसके साथ ही उन्होंने इतिहास रचते हुए लगातार नौ बजट पेश करने वाली भारत की पहली वित्त मंत्री बन गईं और अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि मैं कल संसद के मंच से बोलूंगा।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने बजट को नीरस बताया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि दस्तावेजों का विस्तार से अध्ययन किया जाना आवश्यक है, लेकिन 90 मिनट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि बजट 2026-27 इसके प्रचार के अनुरूप बिल्कुल भी नहीं है। यह पूरी तरह से नीरस था। भाषण भी अपारदर्शी था क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

इससे पहले, लोकसभा में बोलते हुए, सीतारमण ने जोर देकर कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की 'सुधार एक्सप्रेस' अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है और अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए गति बनाए रखेगी। एनडीए सरकार के आर्थिक प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, सीतारमण ने कहा कि 2014 से भारत की आर्थिक प्रगति स्थिरता, राजकोषीय अनुशासन और निरंतर विकास से चिह्नित रही है।

सीतारमण ने कहा कि सुधार एक्सप्रेस अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में हमारी मदद करने के लिए गति बनाए रखेगी। 12 साल पहले सत्ता संभालने के बाद से, देश की आर्थिक प्रगति स्थिरता, राजकोषीय अनुशासन, निरंतर विकास और मध्यम मुद्रास्फीति से चिह्नित रही है।

केंद्रीय सुरक्षा बलों में नहीं रहेगी आवास की कमी, नए भवन/क्वार्टर के लिए बजट में मिले 5040 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) और पुलिस संगठनों के कार्मिकों को पर्याप्त संख्या में आवास सुविधा मिलें, इसके लिए 2026-27 के बजट में 5040.87 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में केंद्रीय बलों में आवास मुहैया कराने के लिए 1894.58 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। पिछले साल के बजट में इस राशि को 4038.70 करोड़ रुपये कर दिया गया। हालांकि रिवाइज बजट में यह राशि 3508.22 करोड़ रुपये हो गई थी। इस बार के बजट में मंजूर हुई 5040.87 करोड़ रुपये की राशि से बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, असम राइफल और एनएसजी के लिए नए आवास तैयार होंगे। इनके अलावा केंद्र के दूसरे पुलिस संगठन, जिसमें कई जांच एजेंसियां भी शामिल हैं, उनके लिए भवन या आवास भी इसी राशि से बनाए जाएंगे।

बता दें कि मौजूदा समय में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, असम राइफल, एसएसबी और एनएसजी के लिए प्राधिकृत आवासीय इकाइयों की कुल संख्या 265298 है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों में केंद्रीय बलों को 132918 आवासीय इकाइयां उपलब्ध कराई गई हैं। अगर निर्माणाधीन इकाइयों की बात करें तो उसमें आईटीबीपी की सर्वाधिक हिस्सेदारी रहेगी। आईटीबीपी को 3441 नई आवासीय इकाइयां मुहैया कराई जा रही हैं।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों के लिए उपलब्ध इकाइयों की कुल संख्या 132918 है। इसकी तुलना में प्राधिकृत आवासों की संख्या अधिक है। निर्माणाधीन आवासीय इकाइयों की संख्या 12739 से ज्यादा है। इसमें से असम राइफल की हिस्सेदारी लगभग 547 है। यानी जब ये आवास तैयार होंगे तो इस बल के कार्मिकों को इतनी संख्या में आवास मिल जाएंगे। नए आवासों में बीएसएफ को लगभग दो हजार क्वार्टर मिलने की बात कही गई थी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल 'सीआईएसएफ', को भी लगभग 1700 आवास मुहैया कराए जाने थे।

पिछले साल आईटीबीपी के हिस्से 3441 आवास, सीआरपीएफ को 2691 और एनएसजी के हिस्से में 330 आवास आने की बात कही गई थी। सशस्त्र सीमा बल को 2206 आवास मिलने थे। आवासीय इकाइयों की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए, गृह मंत्रालय ने ऑनलाइन पोर्टल 'सीएपीएफ ई आवास' के माध्यम से आवासीय इकाइयों के अंतर बल आवंटन को अनुमति दी है।

गाय से किया दुष्कर्म, बैतूल में भड़की हिंसा

हिंदूवादी संगठनों ने जला डाले मुस्लिमों की दुकानें और घर! इलाके में तनाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बैतूल जिले के दामजीपुरा गांव में रविवार को सनसनीखेज घटना सामने आई, जब पशु से दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने के बाद आक्रोशित हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने दो दुकानों में आग लगा दी। इनमें से एक आरोपी की अपनी दुकान है। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर हिरासत में ले लिया है।

सूत्रों के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सुबह 10 बजे से ही बवाल शुरू हो गया। भीड़ ने सबसे पहले आरोपी की दुकान में आग लगाई और इसके बाद पास की एक अन्य दुकान में तोड़फोड़ और आगजनी की।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भैंसदेही, चिचोली और मोहदा थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। पुलिस लाइन से वज्रा वाहन और अतिरिक्त बल सुबह 11.45 बजे रवाना हुए। दोपहर 1.35 बजे पुलिस फोर्स गांव पहुंची और भीड़ को हटाने की कोशिश की।

घटना के दौरान कई दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। टायर पंक्चर की दुकान, इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल दुकान, टेलरिंग शॉप में तोड़फोड़ हुई। दो दुकानों में आग लगी और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। यह भी पता चला कि वीडियो पुराना है। भीड़ ने इस दौरान पुलिस चौकी में घुसकर आरोपी के साथ मारपीट भी की।

विकसित भारत की संकल्पना को सशक्त करने वाला बजट- पणन मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट 'विकसित भारत' की संकल्पना को सशक्त करने वाला, सर्वसमावेशी तथा देश के दीर्घकालीन विकास की स्पष्ट दिशा प्रस्तुत करने वाला है, ऐसी प्रतिक्रिया राज्य के पणन मंत्री जयकुमार रावल ने व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस बजट के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी विकास में संतुलन, रोजगार सृजन, आधारभूत ढांचे का विस्तार और आत्मनिर्भर भारत–इन चारों क्षेत्रों को एक साथ गति मिलेगी।

यह बजट केवल उत्पादन वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि उपज की बिक्री, मूल्य संवर्धन तथा बाजार में अवसरों को बढ़ाने वाला होने के कारण कृषि पणन व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस बजट में कृषि एवं कृषि-आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देते हुए कृषि उपज को सीधे बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। 'एक जिला-एक उत्पाद' की संकल्पना के माध्यम से स्थानीय स्तर की कृषि उपज, प्रसंस्कृत उत्पादों तथा हस्तशिल्प वस्तुओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध होगा, जिससे किसानों और उत्पादक समूहों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इससे

बिचौलियों की संख्या कम होगी और किसानों को उनकी उपज के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त होने में सहायता मिलेगी, ऐसा मंत्री रावल ने कहा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक का कृषि में बढ़ता उपयोग कृषि पणन व्यवस्था में भी क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगा। उत्पादन का अनुमान, मांग-आपूर्ति विश्लेषण, कीमतों का पूर्वानुमान तथा लॉजिस्टिक प्रबंधन अधिक सक्षम होने से बाजार समितियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। इससे कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और बिक्री अधिक योजनाबद्ध ढंग से की जा सकेगी, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

आधारभूत ढांचे में बड़े निवेश से कृषि उपज का तेज और सुरक्षित परिवहन संभव होगा। इससे निर्यात श्रृंखला और अधिक मजबूत बनेगी। विशेष रूप से फल, सब्जी, दुग्ध उत्पाद तथा मत्स्य उत्पादों के बाजार के लिए यह एक बड़ा कदम होगा, ऐसा मंत्री रावल ने उल्लेख किया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाले 'लखपति दीदी' कार्यक्रम का विस्तार कर महिलाओं को केवल स्वरोजगार तक सीमित न रखते हुए सक्षम उद्यमी बनाने का सरकार का दृढ़ संकल्प इस बजट से स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। क्लस्टर-स्तरीय फेडरेशन और समुदाय-स्वामित्व वाले खुदरा बिक्री केंद्रों के माध्यम से महिला उद्यमिता को नया बल मिलेगा, ऐसा भी उन्होंने रेखांकित किया।

राष्ट्रीय हथकरघा नीति, खादी एवं ग्रामोद्योगों को दिया गया प्रोत्साहन तथा मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से कृषि आधारित उद्योगों को गति मिलेगी। कपास, रेशम, ऊन जैसे कृषि कच्चे माल के लिए स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और बिक्री के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ही मूल्य संवर्धन होकर किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी, ऐसा भी उन्होंने कहा। मत्स्यपालन क्षेत्र में जलाशयों का विकास और मछुआरों को सीधे बाजार से जोड़ने का निर्णय कृषि पणन व्यवस्था में एक और महत्वपूर्ण चरण है। प्रत्यक्ष बिक्री व्यवस्था से मछुआरों को उचित मूल्य मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

कुल मिलाकर यह बजट कृषि उत्पादन के साथ-साथ पणन व्यवस्था के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे, तकनीक, बाजार और मूल्य श्रृंखला को सशक्त करने वाला है। किसानों, उत्पादक संगठनों और कृषि बाजार समितियों के लिए यह बजट नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा, ऐसा विश्वास पणन मंत्री जयकुमार रावल ने व्यक्त किया।

'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान' अभियान पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने चर्चगेट पर मीडिया को संबोधित किया

यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने तथा रेलवे के विकास व विकसित भारत में योगदान देने की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) श्री प्रदीप कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर 1 फरवरी 2026 को चर्चगेट रेलवे स्टेशन पर चल रहे जन-जागरूकता अभियान 'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान' के संबंध में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने तथा जिम्मेदार रेल यात्रा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार ने आम जनता से वैध टिकट खरीदकर जिम्मेदारीपूर्वक यात्रा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खरीदा गया टिकट सीधे तौर पर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा सुरक्षा प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण में योगदान देता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि टिकट से प्राप्त राजस्व रेलवे के सुचारु संचालन, क्षमता विस्तार एवं सेवा सुधार से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आगे विस्तार से बताते हुए महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने कहा कि नैतिक टिकटिंग एवं स्वैच्छिक अनुपालन रेलवे की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने तथा नागरिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने जोर दिया कि यात्रियों का जिम्मेदार व्यवहार भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण प्रयासों को सशक्त बनाता है और विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप है, जिसमें प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाता है।

पश्चिम रेलवे ने यात्रियों के साथ निरंतर संवाद, जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा सभी यात्रियों से वैध टिकट के साथ यात्रा कर इस अभियान को सफल बनाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। सामूहिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सहयोग के माध्यम से पश्चिम रेलवे यात्री विश्वास, परिचालन दक्षता और सेवा उत्कृष्टता को और सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखता है, जिससे विकसित भारत के व्यापक उद्देश्य में योगदान दिया जा सके।

'हिंद-दी-चादर' शहादत समागम वर्ष के अवसर पर 'जय महाराष्ट्र' में उपजिल्हाधिकारी जयराम पवार की विशेष भेंटवार्ता

दिव्यांश

मुंबई। सूचना एवं जनसंपर्क महासंचालनालय द्वारा निर्मित दूरदर्शन की सह्याद्री वाहिनी पर प्रसारित होने वाले 'जय महाराष्ट्र' कार्यक्रम में मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को रात्रि 8.00 बजे 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत समागम वर्ष के अवसर पर विशेष भेंटवार्ता प्रसारित की जाएगी। इस भेंटवार्ता में 'हिंद-दी-चादर' शहादत समागम समिति के सदस्य तथा उपजिल्हाधिकारी जयराम पवार ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी है।

'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत समागम वर्ष के अवसर पर 18 एवं 19 फरवरी 2026 को खारघर, नवी मुंबई में भव्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्य तथा देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के विचार, त्याग और मानवतावादी मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए शासन की ओर से विभिन्न जनजागरूकता तथा शैक्षणिक उपक्रम चलाए जाएंगे, यह जानकारी भी श्री पवार ने 'जय महाराष्ट्र' कार्यक्रम के माध्यम से दी है। इस कार्यक्रम के अवसर पर सिख, शिकलकर, बंजारा, लबाना, सिंधी, मोहियाल, वाल्मीकि, उदासीन तथा वारकरी संप्रदाय समुदाय एक साथ सहभागी हो रहे हैं। इन समाजों का इतिहास, संस्कृति तथा उनके गुरु नानक और गुरु तेग बहादुर के साथ संबंध किस प्रकार हैं, इसके बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई है। श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत समागम वर्ष के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को स्पष्ट करते हुए, समाज में सौहार्द, एकता और परंपरा के संवर्धन के लिए ऐसे उपक्रमों की आवश्यकता होने की बात उपजिल्हाधिकारी पवार ने कही है।

पशुपालन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला बजट

मंत्री पंकजा मुंडे ने केंद्रीय बजट का स्वागत किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आज का बजट विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय बजट में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधान अत्यंत स्वागतयोग्य हैं और इनके माध्यम से ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को बड़ी गति मिलेगी, ऐसी प्रतिक्रिया राज्य की पशुपालन एवं पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने व्यक्त की है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट का मंत्री पंकजा मुंडे ने स्वागत किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पशुपालन क्षेत्र के लिए घोषित रियायतें, नए पशुचिकित्सा महाविद्यालय और प्रयोगशालाओं से देश के पशुपालकों को बड़ा लाभ होगा। इसके लिए मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करती हूँ।

पंकजा मुंडे ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को अग्रणी बनाने के लिए यह बजट महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। महिला, वंचित वर्गों के साथ-साथ आधारभूत संरचना और निवेश क्षेत्रों को गति मिलेगी। यह बजट भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने वाला होगा। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को नई दिशा देने वाला यह बजट है।

बजट में कृषि, पशुपालन और मत्स्य व्यवसाय क्षेत्र को दी गई रियायतों एवं सुविधाओं के कारण गाँवों में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। पशुपालन क्षेत्र के लिए ऋण-संलग्न अनुदान कार्यक्रम, पशुधन उद्योगों का आधुनिकीकरण तथा दुग्ध व्यवसाय और कुक्कुट पालन पर आधारित एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं के निर्माण से किसानों और युवाओं के लिए उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

पशुधन का कृषि की कुल आय में लगभग 16 प्रतिशत योगदान है और विशेष रूप से गरीब तथा लघु भूमिधारक परिवारों की आय में इसका महत्वपूर्ण योगदान होता है। पशुचिकित्सकीय पेशेवरों की संख्या 20 हजार से अधिक बढ़ाने के उद्देश्य से निजी क्षेत्र में पशुचिकित्सकीय एवं सहायक पशुचिकित्सकीय महाविद्यालय, अस्पताल, निदान प्रयोगशालाएँ और प्रजनन सुविधाओं के लिए प्रस्तावित ऋण-संलग्न पूंजीगत अनुदान योजना दीर्घकालीन दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी, ऐसा भी मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा।

भारतीय और विदेशी संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देने के निर्णय से आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और कौशल विकास को गति मिलेगी। इन प्रावधानों का प्रभावी लाभ महाराष्ट्र के पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और कुक्कुट पालकों तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार के समन्वय से आवश्यक कदम उठाएगी, यह भी उन्होंने स्पष्ट किया।

फोन टैपिंग मामला : एसआईटी के शिकंजे में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर, पूछताछ के खिलाफ बीआरएस का राज्यव्यापी बवाल

अमरावती। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) रविवार को अपने एर्रावल्ली स्थित फार्महाउस से हैदराबाद स्थित अपने आवास के लिए रवाना हुए, जहां वे फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही पूछताछ में शामिल होंगे। यह घटना फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही एसआईटी द्वारा 30 जनवरी को तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नए नोटिस जारी करने के बाद हुई है। केसीआर के बेटे केटी रामाराव और भतीजे टी हरीश राव सहित कई बीआरएस नेताओं से पहले ही एसआईटी ने इस मामले में पूछताछ की थी। दोपहर 3 बजे निर्धारित पूछताछ से पहले हैदराबाद के नंदी नगर स्थित केसीआर के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एसआईटी जांच के जवाब में बीआरएस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना सरकार के

खिलाफ असहमति जताने के लिए काले बैज लगाए। राज्य भर में प्रदर्शन हुए, जिनमें पार्टी ने कथित फोन टैपिंग मामले में अपने प्रमुख से पूछताछ का विरोध जताया।फोन टैपिंग का मामला तब सामने आया जब पूर्व डीसीपी पी. राधाकृष्ण राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान मीडिया जगत के दिग्गजों, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं के फोन की निगरानी की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर नजर रखने के लिए किया गया था। इस कथित फोन टैपिंग मामले में चंद्रशेखर राव ने सहायक पुलिस आयुक्त पी. वेंकटगिरी को पत्र लिखकर कहा कि वे कल दोपहर 3 बजे पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें भेजा गया नोटिस अवैध था। 30 जनवरी, 2026 को लिखे अपने पत्र में केसीआर ने दावा किया कि नोटिस कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार नहीं भेजा गया था, इसे 'अवैध' बताया और कहा कि वे इसे 'अनदेखा' कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि नोटिस भेजना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनकी गरिमा और अनुच्छेद 14 के तहत समानता के उनके अधिकार का उल्लंघन है।

प्रफुल्ल पटेल ने पार्टी अध्यक्ष बनने की खबरों को किया खारिज

कहा- 'एनसीपी लोकतांत्रिक तरीके से चुनेगी अपना नया नेता'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुम्बई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कद्दावर नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर जारी अटकलों पर अब विराम लग गया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से निराधार बताया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वे पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने जा रहे हैं।

एक बयान में, पटेल ने कहा कि एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति के बारे में मीडिया रिपोर्ट्स 'पूरी तरह से निराधार' हैं और उनमें 'कोई सच्चाई नहीं है'। पटेल ने कहा, 'मैंने मीडिया में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरी नियुक्ति के बारे में चल रही कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं। मैं पूरी स्पष्टता के साथ कहना चाहता हूं कि ये रिपोर्ट्स पूरी तरह से निराधार हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है।'

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पार्टी अपनी लीडरशिप चुनने के लिए अपनी स्थापित आंतरिक प्रक्रिया का पालन करेगी। उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एक लोकतांत्रिक संस्था है। इतने बड़े फैसले हमारे सीनियर लीडरशिप और विधायकों से सलाह करके, हमारे समर्पित पार्टी पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके, और हमारे सभी पार्टी सदस्यों की भावनाओं और सामूहिक इच्छा का सम्मान करके ही लिए जाएंगे। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते, हम इन मामलों में स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हैं।'

यह स्पष्टीकरण अजीत पवार (66) की मौत के कुछ दिनों बाद आया है, जो एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे, जिनकी 28 जनवरी को अपने गृहनगर बारामती में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनकी अचानक मौत से पार्टी की भविष्य की लीडरशिप और दिशा को लेकर ज़ोरदार अटकलें शुरू हो गई हैं। इसके तुरंत बाद, अजीत पवार की पत्नी, सुनेत्रा पवार को एनसीपी विधायक दल का नेता चुना गया और उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी के कुछ हिस्सों से यह मांग उठी कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद भी संभालना चाहिए।

इस बीच, अजीत पवार की मौत ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच चल रही बातचीत को भी प्रभावित किया है। विलय की बातचीत, जो एक उन्नत चरण में पहुँच गई थी, अब ठंडे बस्ते में चली गई है।

अर्थसंकल्प में 'विकसित भारत' केवल एक संकल्पना नहीं, बल्कि करोड़ों कामगारों और आमजन की प्रगति का मार्ग – कामगार मंत्री आकाश फुंडकर

मुंबई। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों से जारी योजनाबद्ध विकास के कारण आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण बनी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आज का बजट केवल आँकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह देश के गरीब, किसानों और परिश्रमी कामगारों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने वाला सिद्ध होगा, ऐसी भावना राज्य के कामगार मंत्री ?ड. आकाश फुंडकर ने व्यक्त की है।

कामगार मंत्री श्री फुंडकर ने कहा कि राज्य में आधारभूत सुविधाओं के लिए बजट में किए गए ठोस प्रावधानों से राज्य का 'इन्फ्रास्ट्रक्चर' वैश्विक स्तर का बनने में सहायता मिलेगी। घरेलू उत्पादन पर दिए गए जोर और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए किए गए 10 हजार करोड़ रुपये के ठोस प्रावधान देश की औद्योगिक क्रांति को नई दिशा देने वाले हैं। वस्त्र उद्योग क्लस्टर के विकास और खनिज कॉरिडोर के कारण बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिनका सर्वाधिक लाभ युवा कामगार वर्ग को होगा।

आम नागरिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार द्वारा कैंसर और मधुमेह की दवाइयों को सस्ता करने का लिया गया निर्णय अत्यंत राहत देने वाला है। साथ ही, बायोफार्मा उत्पादन के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान कर भारत को इस क्षेत्र का वैश्विक 'हब' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक सशक्त और किफायती बनेंगी, ऐसा भी कामगार मंत्री ड. फुंडकर ने उल्लेख किया।

ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले खादी और हथकरघा क्षेत्र के लिए 'महात्मा गांधी ग्रामस्वराज' अभियान एक क्रांति है। हथकरघा उत्पादन में वृद्धि से ग्रामीण कारीगरों के कौशल को वैश्विक बाजार मिलेगा और उनकी आर्थिक आय बढ़ाने में सहायता होगी।

केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना द्वारा इंदौर स्टेशन का निरीक्षण एवं रीडेवलपमेंट कार्यों की समीक्षा

रतलाम। केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने 31 जनवरी 2026 को इंदौर प्रवास के दौरान इंदौर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की तथा रतलाम मंडल द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों एवं यात्री सुविधा से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से करने हेतु निर्देशित किया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कंस्ट्रक्शन कार्यालय में आयोजित बैठक में इंदौर स्टेशन रीडेवलपमेंट सहित क्षेत्र में चल रहे विभिन्न रेलवे विकास एवं निर्माण कार्यों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में स्टेशन रीडेवलपमेंट की प्रगति, यात्री सुविधाओं के विस्तार, संरचनात्मक कार्यों,

समयबद्ध निष्पादन एवं गुणवत्ता नियंत्रण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। 'इस अवसर पर माननीय सांसद इंदौर शंकर लालवानी द्वारा मंत्री जी को इंदौर क्षेत्र में रेलवे के अंतर्गत संचालित प्रमुख विकास एवं निर्माण परियोजनाओं के संबंध में अवगत कराया गया। इसमें इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन, इंदौर-खंडवा रेल खंड का आमान परिवर्तन, इंदौर-मनमाड नई रेल लाइन, इंदौर - बुधनी नई रेल लाइन सहित अन्य प्रगतिरत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ लगभग 75 वर्ष पुराने शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव पर चर्चा की गई तथा क्षेत्र की भविष्य की आवश्यकताओं पर भी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।'

माननीय सोमन्ना ने इंदौर स्टेशन रीडेवलपमेंट एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, जिससे यात्रियों को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक(इंफ्रा) अक्षय कुमार एवं मुख्य इंजीनियर(निर्माण), सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

एनसीपी के विलय को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बताया अफवाह

बोले- ऐसा होता तो मुझे पता होता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि अजित पवार दोनों गुटों को एक करने के इच्छुक थे और 12 फरवरी को इसकी घोषणा होने वाली थी। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि ऐसा कोई प्रयास होता, तो दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार उन्हें इसकी जानकारी अवश्य देते। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की खबरें पूरी तरह अफवाह हैं।

'भाजपा की जानकारी के बिना विलय संभव नहीं'

फडणवीस ने कहा कि अजित पवार हर महत्वपूर्ण बात मुझे बताया करते थे। क्या एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की बातचीत भाजपा की जानकारी के बिना पूरी हो सकती है? हमें 12 फरवरी की किसी तारीख की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि एनसीपी एक स्वतंत्र पार्टी है और अपने फैसले खुद लेती है, लेकिन भाजपा की सहयोगी पार्टी होने के नाते उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले भाजपा से परामर्श करे।

'बजट के कारण वित्त विभाग अपने पास रखा'

सुनेत्रा पवार को वित्त विभाग ना देने पर मुख्यमंत्री ने बताया कि एनसीपी नेताओं से चर्चा के बाद उन्होंने दिवंगत अजित पवार के पास रहे वित्त विभाग का प्रभार फिलहाल अपने पास ही रखा है, क्योंकि राज्य का बजट प्रस्तुत किया जाना है। बजट केवल भाषण देने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसके लिए कई विभागीय बैठकों की आवश्यकता होती है। सुनेत्रा पवार के लिए इतनी बड़ी जिम्मेदारी तुरंत संभालना संभव नहीं था। बजट सत्र के बाद वित्त विभाग के प्रभार पर निर्णय लिया जाएगा। वही, सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण में जल्दबाजी को लेकर उठे सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका जवाब एनसीपी को ही देना चाहिए। फैसले परिस्थितियों के अनुसार लिए जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के निधन के बाद राजीव गांधी ने अंतिम संस्कार से पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली थी।

प्रफुल्ल पटेल ने किया खंडन

इस बीच, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बयान जारी कर कहा, 'मेरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को लेकर मीडिया में चल रही खबरें पूरी तरह निराधार और असत्य हैं।' पार्टी में किसी भी प्रकार का निर्णय सभी नेताओं से चर्चा के बाद और उचित समय पर ही लिया जाएगा।

पीयूष गोयल ने स्वीकार की गलती

प्रफुल्ल पटेल का यह बयान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के उस स्पष्टीकरण के बाद आया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें गलत जानकारी दी गई थी। गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि एक वरिष्ठ पत्रकार ने उन्हें यह सूचना दी थी कि प्रफुल्ल पटेल को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने बिना पुष्टि किए यह बयान दे दिया, लेकिन बाद में पता चला कि यह जानकारी गलत थी। गोयल ने स्पष्ट किया कि एनसीपी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजितदादा पवार के नेतृत्व में काम कर रही है और गलत सूचना देने के लिए उन्होंने खेद व्यक्त किया।

आत्मनिर्भर नए भारत के निर्माण की प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होने वाला बजट- मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्रजी मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर नए भारत के निर्माण की प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होने वाला बजट आज केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में कदम आगे बढ़ रहे हैं और वर्ष 2026-27 के इस बजटीय वर्ष में 7.4 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जाएगा, ऐसी प्रतिक्रिया कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने व्यक्त की।

मंत्री श्री लोढ़ा ने कहा कि देश के मध्यम वर्ग, गरीब और किसानों को समृद्ध करने वाला यह बजट आर्थिक प्रगति की ऊँचाइयों को छूने वाला सिद्ध होगा। किसानों के लिए बहुभाषी एआई तकनीक विकसित कर अत्याधुनिक कृषि को प्रोत्साहन दिया जाएगा। 'बायो फार्मा मिशन' केवल दवाओं की कीमतें कम करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक औषधि बाजार में भारत को दवा निर्माण का एक ग्लोबल हब बनाने में सहायक होगा।

इसके साथ ही इस बजट में शिक्षा क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके अंतर्गत पाँच नए विश्वविद्यालयों के साथ तीन आयुर्वेदिक महाविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से भारतीय आयुर्वेद शास्त्र को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाया जाएगा। इन घोषणाओं के साथ डिजिटल और क्रिएटिव स्किल्स को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एबीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब शुरू करने की योजना बनाई है। इसके तहत 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों और 500 महाविद्यालयों में कंटेंट क्रिएटर लैब की शुरुआत की जाएगी, जिससे छात्रों को डिजिटल तकनीक आधारित कौशल शिक्षा प्राप्त होगी। साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए प्रत्येक जिले में छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा भी केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा की गई है।

बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा। देशभर में सात हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिनमें मुंबई और पुणे को भी जोड़ा जाएगा, जिससे महाराष्ट्र के व्यापारियों और किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के उद्देश्य से छह रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े बदलाव की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत विकास के दृष्टिकोण से परिपूर्ण यह बजट केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एनसीपी पर संजय राउत का बड़ा दावा

'अजित पवार गुट के कुछ लोग ही नहीं चाहते दोनों का विलय हो'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि अजित पवार गुट के कुछ लोग खुद एनसीपी के दोनों धड़ों को एक करने के प्रयासों में बाधा डाल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर दोनों गुट एक हो जाते, तो कुछ नेताओं की 'दुकानें बंद' हो जातीं। इस बयान के बाद सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

अजित पवार कर रहे थे पहल

राउत ने कहा कि अजित पवार ने खुद एनसीपी और शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी (एसपी) गुट को साथ लाने की पहल की थी। इसके लिए कई बैठकों का दौर भी चला था। उन्होंने कहा कि अजित पवार को अपने चाचा शरद पवार पर अंत तक भरोसा था। राउत के अनुसार, पार्टी के भीतर ही कुछ लोग इस एकता के खिलाफ थे और वे नहीं चाहते थे कि दोनों गुट फिर साथ आएं।

भाजपा पर लगाया विभाजन का आरोप

राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि महाराष्ट्र के मराठी नेता और दल एक साथ आएं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति बांटो और राज करो की है। राउत ने दावा किया कि चाहे एनसीपी हो या एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, दोनों दलों की कमान आखिरकार भाजपा के हाथ में है। भाजपा की ओर से इन आरोपों पर तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नेतृत्व को लेकर भी टिप्पणी

राउत ने एनसीपी के नेतृत्व को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह मराठी नेतृत्व वाली पार्टी है और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार को सुनिश्चित करना चाहिए कि पार्टी का नेतृत्व मराठी हाथों में रहे। उनका इशारा एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल की ओर माना जा रहा है। इससे पहले राज ठाकरे भी इसी तरह की बात कह चुके हैं।

विलय की तारीख और सवाल

शरद पवार ने हाल ही में कहा था कि एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की घोषणा 12 फरवरी को हो सकती थी, लेकिन परिस्थितियों के कारण प्रक्रिया अटक गई। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर ऐसा तय था, तो अजित पवार ने उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की सियासत में नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

केंद्रीय बजट में कृषि एआई को केंद्र में स्थान;

अजितदादा के सपने को साकार करने की दिशा में जोर!- कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए ठोस प्रावधान; किसानों की आय बढ़ाने को प्रोत्साहन

मुंबई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में कृषि और किसान को केंद्र में रखा गया है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट कृषि और किसानों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाला सिद्ध होगा, ऐसा विश्वास व्यक्त किया गया है। कृषि बजट को बढ़ाकर लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने के संकेत दिए गए हैं, जो महाराष्ट्र के किसानों के लिए निश्चित रूप से खुशी की बात है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए बड़ी घोषणाएँ करते हुए देश की घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने और किसानों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने पर विशेष जोर दिया गया है, ऐसी प्रतिक्रिया कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने व्यक्त की।

स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजित पवार की पहल से राज्य के पिछले वर्ष के बजट में कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के लिए 550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। उनके मार्गदर्शन में कृषि क्षेत्र में एआई नीति लागू करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बना है। साथ ही राज्य के कृषि विभाग ने 'महा-विस्तार' ऐप विकसित किया है। इसी दिशा में अगला कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने इस बजट में '[illegible]' नामक एआई-आधारित बहुभाषी कृषि सहायक उपकरण की घोषणा की है। इस पहल से किसानों को उनकी स्थानीय भाषा में समय पर मौसम, फसल योजना, कीट-रोग नियंत्रण और बाजार से जुड़ी जानकारी मिलेगी, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक सरल होगी। डिजिटल कृषि के विकास की दिशा इस बजट से स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

उच्च मूल्य वाली फसलें, फसल विविधीकरण, मत्स्य व्यवसाय और पशुपालन, सिंचाई तथा एआई जैसे तकनीक-आधारित कृषि पर दिया गया जोर स्वागत योग्य है। कपास के उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार विशेष योजना लागू करेगी। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए नारियल, चंदन और काजू जैसी उच्च मूल्य वाली नगदी फसलों का उत्पादन बढ़ाया जाएगा तथा काजू और कोको को वैश्विक ब्रांड के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 500 नए 'अमृत जलाशय' बनाए जाएंगे, जिससे मत्स्य उत्पादकों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही मत्स्य संपदा योजना का विस्तार कर मत्स्य विक्रेताओं और सूक्ष्म उद्योगों के लिए 6,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। आने वाले समय में 10 मिलियन किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करने के लिए सरकार सहायता करेगी और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोकने के लिए विकेंद्रीकृत भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी।

वर्ष 2026-27 के आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए यूरिया सब्सिडी प्रणाली में सुधार, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर पोषक तत्वों पर आधारित मॉडल अपनाने पर जोर दिया गया है। साथ ही कृषि निर्यात के लिए स्थिर और दीर्घकालीन निर्यात नीति रखने का आश्वासन दिया गया है।

इसके अतिरिक्त एग्री बिजनेस नेटवर्क के लिए 167 करोड़ रुपये, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के सौर ऊर्जिकीकरण के लिए 207 करोड़ रुपये तथा कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण परिवर्तन योजना के लिए 646 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कृषि, पशुपालन, मत्स्य व्यवसाय और सिंचाई जैसे परस्पर पूरक घटकों के लिए ठोस प्रावधानों और योजनाओं की घोषणा से इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश होगा और उनका समग्र विकास होगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से कार्य करते हुए, इस बजट में किए गए प्रावधानों का अधिकतम लाभ महाराष्ट्र के किसानों तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की आय बढ़ाना, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना ही हमारा प्रमुख उद्देश्य है। महाराष्ट्र को कृषि क्षेत्र में विकास की नई छलांग लगाने के लिए यह बजट निश्चित रूप से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

भारतीय रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय 2.93 लाख करोड़; उच्च गति कनेक्टिविटी, माल ढुलाई को मजबूत करना और सुरक्षा खर्च का प्रमुख केंद्र बिंदु

भारत भर में सात नए उच्च गति गलियारे प्रमुख भारतीय शहरों को करीब लाएंगे; दक्षिण डायमंड हाई-स्पीड कॉरिडोर से कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी को लाभ होगा

यह आवंटन रेल अवसंरचना को मजबूत करने, क्षमता बढ़ाने और यात्री सुरक्षा को बेहतर बनाने पर सरकार के निरंतर ध्यान को रेखांकित करता है। यह आर्थिक विकास और रसद दक्षता के प्रमुख चालक के रूप में रेल अवसंरचना का लाभ उठाने पर जोर को दर्शाता है। निरंतर निवेश का उद्देश्य माल ढुलाई में सुधार करना, रसद लागत को कम करना, उच्च घनत्व वाले गलियारों में भीड़भाड़ कम करना और आधुनिक ट्रेनों और पुनर्निर्मित स्टेशनों के माध्यम से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना है।

अपनी दीर्घकालिक दृष्टि के अंतर्गत, सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए शहरों के बीच सात उच्च गति रेल गलियारों को 'विकास संयोजक' के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। इन गलियारों में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। प्रस्तावित गलियारों से अंतर-शहर यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आने और यात्रियों की सुगम, बहुआयामी आवाजाही की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

नए कॉरिडोर की घोषणा के साथ, रेल आधारित परिवहन व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। दक्षिण भारत में, चेन्नई-बेंगलुरु-हैदराबाद हाई-स्पीड नेटवर्क एक दक्षिणी हाई-स्पीड ट्रायंगल (या डायमंड) बनाएगा, जो प्रमुख आर्थिक और आईटी केंद्रों को जोड़ेगा। रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। वैष्णव ने कहा कि चेन्नई-बेंगलुरु की यात्रा में लगभग 1 घंटा 13 मिनट, बेंगलुरु-हैदराबाद की यात्रा में लगभग 2 घंटे और चेन्नई-हैदराबाद की यात्रा में लगभग 2 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। उम्मीद है कि यह नेटवर्क कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के विकास में एक शक्तिशाली कारक साबित होगा और क्षेत्रीय विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा।

पश्चिमी और मध्य भारत में, आगामी मुंबई-पुणे हाई-स्पीड कॉरिडोर से यात्रा का समय घटकर लगभग 48 मिनट हो जाएगा, जिससे दो प्रमुख शहरी केंद्र प्रभावी रूप से जुड़ जाएंगे। पुणे से हैदराबाद तक लगभग 1 घंटा 55 मिनट में कनेक्टिविटी और आगे दक्षिणी केंद्रों तक कनेक्टिविटी से क्षेत्रों में एक निरंतर हाई-स्पीड नेटवर्क बनेगा, जिससे यात्रियों और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं दोनों को लाभ होगा।

उत्तरी और पूर्वी भारत में, दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड कॉरिडोर से यात्रा का समय लगभग 3 घंटे 50 मिनट हो जाएगा। इसके अलावा, वाराणसी से पटना होते हुए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से वाराणसी और सिलीगुड़ी के बीच यात्रा का समय लगभग 2 घंटे 55 मिनट हो जाएगा। इस कनेक्टिविटी से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच एक नया आर्थिक गलियारा बनने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिलेगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि सातों हाई-स्पीड कॉरिडोर मिलकर लगभग 4,000 किलोमीटर की लंबाई तक फैले हुए हैं और इनसे लगभग 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे रेलवे भविष्य की परिवहन व्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बन जाएगा।

माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में एक नए समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर का भी प्रस्ताव है, जो पश्चिम बंगाल के डंकुनी को गुजरात के सूरत से जोड़ेगा और ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। यह 2,052 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर मौजूदा पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर से जुड़ेगा, जिससे पश्चिमी तट के बंदरगाहों तक माल की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मौजूदा पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर लगभग पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और प्रतिदिन लगभग 400 मालगाड़ियों का संचालन करते हैं, इसलिए भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कॉरिडोर की आवश्यकता है।

यह पूर्व-पश्चिम गलियारा विभिन्न क्षेत्रों में निर्बाध व्यापार प्रवाह को मजबूत करेगा, मौजूदा रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करेगा और माल परिवहन की दक्षता बढ़ाएगा, जिससे औद्योगिक विकास और आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन मिलेगा केंद्रीय मंत्री ने अवसंरचना निर्माण में हासिल की गई रिकॉर्ड उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें 35,000 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण, 47,000 किलोमीटर का विद्युतीकरण और ब्रॉड-गेज नेटवर्क के 99.5 प्रतिशत से अधिक हिस्से का विद्युतीकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर और चेयर कार ट्रेनों, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों का निर्माण, साथ ही रिकॉर्ड संख्या में वैगनों की भर्ती, अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है।

स्थिरता पर जोर देते हुए, श्री वैष्णव ने कहा कि रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में लगभग 95 प्रतिशत कम प्रदूषणकारी है, जो सरकार की पर्यावरण और जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है और जन परिवहन के एक हरित माध्यम के रूप में रेलवे के बारे में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

रिकॉर्ड आवंटन राष्ट्रीय विकास, आर्थिक विकास और समावेशी कनेक्टिविटी की रीढ़ के रूप में भारतीय रेलवे की भूमिका को और मजबूत करता है। केंद्रीय बजट 2026-27 में उल्लिखित पहलों के साथ, भारतीय रेलवे 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप तीव्र संपर्क, कुशल रसद और सुदृढ़ अवसंरचना प्रदान करके राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

ठाणे में कुत्ते के काटने के कुछ हफ्ते बाद बच्चे की मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप; लोगों में आक्रोश

मुंबई।महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां भिवंडी इलाके में एक 12 साल के किशोर की आवारा कुत्ते के काटने के कुछ हफ्तों बाद मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय विधायक ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

क्या है मामला?

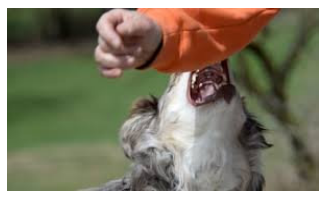

जानकारी के अनुसार, 10 जनवरी को भिवंडी में एक कुत्ते ने किशोर को काट लिया था। परिवार उसे तुरंत भिवंडी के

सरकारी आईजीएम अस्पताल ले गया। वहां से उसे ठाणे सिविल अस्पताल भेजा गया और फिर वापस आईजीएम अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने बच्चे का इलाज किया और परिवार उसे घर ले गया।

डॉक्टरों का क्या है कहना?

अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि बच्चे को एंटी-रेबीज के टीके और टिटनेस के इंजेक्शन लगाए गए थे। हालांकि, कुछ हफ्तों बाद अचानक किशोर की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 30 जनवरी को उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टर अभी यह साफ नहीं कर पाए हैं कि मौत कुत्ते के काटने से हुई या इसकी कोई और वजह थी।

क्या बोले विधायक?

इस मामले पर समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा, आवारा कुत्तों का आतंक और उनसे होने वाली मौतें एक गंभीर समस्या बन गई हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि इलाके के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी है और कर्मचारी काम में लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की बात कही है। इस घटना से स्थानीय लोगों में डर और गुस्से का माहौल है।

एनसीपी के विलय पर सस्पेंस बरकरार, शरद पवार मुंबई रवाना; बारामती लौटीं डिप्टी सीएम सुनेत्रा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच, एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार रविवार सुबह बारामती से मुंबई के लिए रवाना हो गए, जबकि अजित पवार की पत्नी और नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार देर रात बारामती लौट आईं। शरद पवार अपने भतीजे और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के चार दिन बाद मुंबई के लिए रवाना हुए।

पद की शपथ लेने के बाद लौटीं सुनेत्रा

सुनेत्रा पवार ने शनिवार को मुंबई में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पुणे जिले के बारामती स्थित अपने आवास लौट आईं। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम और एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही अटकलों के बीच यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि शरद पवार और सुनेत्रा पवार के बीच कोई मुलाकात या बातचीत हुई या नहीं। वहीं, शरद पवार की बेटी और बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को बजट सत्र में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हो गईं।

'12 फरवरी को होने वाला था विलय'

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार ने 12 फरवरी को एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की घोषणा करने की तारीख तय की थी। शरद पवार ने संकेत दिया कि अजित पवार के निधन के बाद अब एनसीपी (एसपी) और एनसीपी के बीच विलय प्रक्रिया में अड़चन आ सकती है।

सम्पादकीय

गरीब ज्यादा खर्च कर रहे हैं लेकिन क्या सच में गरीबी कम हुई है? आर्थिक समीक्षा के दावों पर उठते असहज सवाल

देश में सबसे निचले तबके की पांच से दस फीसद आबादी के उपभोग व्यय में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यानी इस वर्ग के लोग अपनी जरूरत के लिए विभिन्न वस्तुओं की खरीद पर अब ज्यादा खर्च करने लगे हैं। यह इस बात का संकेत है कि गरीबों की माली हालत में सुधार हुआ है। संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में गरीबी का दायरा कम होने की यह तस्वीर उकेरी गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार के सबसिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता जैसे कदमों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्ग अभाव से उबरे हैं।

यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तस्वीर बदली है। मगर सवाल है कि गरीबी से उबरने का आकलन करने के पैमाने क्या हैं? क्या इस प्रक्रिया में सिर्फ वस्तुओं की खरीद पर खर्च बढ़ने को आधार बनाना काफी है? समीक्षा में आंकड़ों के आधार पर कहा गया है कि देश में उपभोग असमानता में कमी आई है, मगर क्या वास्तव में इसे गरीबी कम होने का सूचक माना जा सकता है?

आर्थिक समीक्षा रपट के अनुसार, वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच समाज के सबसे निचले वर्ग के प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखी गई है। तर्क दिया गया है कि सरकारी नीतियों का आय वितरण पर महत्त्वपूर्ण असर हुआ है, जिससे गरीब तबके की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। मगर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि जिसे 'व्यय की क्षमता' बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है, उसका आधार क्या है। इसमें दोराय नहीं कि सामान्य तौर पर किसी भी परिवार के खर्च करने की क्षमता में तभी इजाफा होता है, जब उसकी आमदनी में बढ़ोतरी होती है।

इसके बिना अगर गरीब परिवारों का वस्तुओं की खरीद पर व्यय बढ़ रहा है, तो यह महंगाई और मजबूरी से उपजी परिस्थितियों का नतीजा भी हो सकता है। जाहिर है, जैसे-जैसे महंगाई बढ़ती है, वैसे-वैसे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर हर किसी को ज्यादा खर्च करना पड़ता है। आमदनी बेहद कम होने और किसी वस्तु की अत्यधिक जरूरत पड़ने पर गरीब परिवार बैंक या साहूकार से कर्ज लेकर भी खर्च करते हैं। इस सूरत में ऐसे परिवारों के व्यय में बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है, पर क्या इसे यह मान लिया जाए कि वे गरीबी से उबर गए हैं!

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या सरकार की ओर से आवश्यक वस्तुओं की खरीद पर सबसिडी या मुफ्त राशन देने से गरीबी कम हो जाती है। और अगर देश में जमीनी स्तर पर वास्तव में गरीबी कम हो गई है, तो आज भी सरकार की ओर से करीब अस्सी करोड़ लोगों को तय मात्रा में मुफ्त राशन उपलब्ध कराने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। कोविड काल में शुरू की गई इस योजना को एक जनवरी, 2024 से अगले पांच साल तक बढ़ा दिया गया।

ऐसे में जरूरी है कि गरीबी को आंकड़ों के जरिए कागजों पर खत्म करने की बजाय इस दिशा में धरातल पर प्रयास किए जाएं। कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए उनकी आजीविका के स्थायी साधन विकसित करना जरूरी है और यह तभी संभव हो पाएगा, जब गरीबों के लिए शिक्षा और रोजगार के सस्ते, सुलभ और पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। उम्मीद है कि बजट में सरकार इस मसले पर कोई ठोस घोषणा करेगी।

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

इन दिनों विपक्ष उत्तर प्रदेश में दो घटनाओं के माध्यम से अपनी राजनीति साधने के प्रयास में है। पहली घटना वाराणसी के मर्णिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरो पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है। दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद

हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है।

राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक - पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं ।

अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात-ए-मोदी कहा था। यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं। यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं।

जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू , मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वे भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है। बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं की हत्याएं पर पूरा इंडी गठबंधन मौन हो गया। सनातन को अपमानित करने में समाजवदियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यह समाजवादी रामचिरत मानस व गीता को अपमानित करते हैं , इनके विधायक व कार्यकर्ता पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को फाड़ते और जलाते हैं। आज यही लोग शंकराचार्य की आड़ लेकर हिंदू समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा दिया था जिससे समाजवादी व कांग्रेसी काफी परेशान थे कि अगर कहीं हिन्दू पूरी तरह से एकजुट हो गए तो उनकी राजनीति समाप्त हो जाएगी, इसलिए प्रयागराज की धरती पर ही हिन्दू समाज को बांटने की रणनीति बनाई गई और पीडीए की राजनीति करने वाले लोगों ने माघ मेला के पवित्र अवसर को चुना। आम जनमानस की स्मृति बहुत कमजोर होती है और उसे जातीय आधार पर विभाजित किया जा सकता है। इन सभी दलों को यह भी पता है कि जब तक ब्राह्मण समाज व समस्त सवर्ण समाज को विभाजित और भाजपा के प्रति उनके मन में निराशा के भाव नही पनपा जाते हैं तब तक भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ उत्तर प्रदेश में रोकना असंभव है।

समाजवादी पार्टी को पता है कि जब तक हिन्दू धर्म को किसी बड़े विवाद के माध्यम से विभाजित नहीं किया जाएगा तब तक उनका पीडीए शक्तिहीन रहेगा। यही कारण हैं कि जब टीवी चैनलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चर्चा हो रही थी तब शंकराचार्य की आड़ हिन्दू धर्म में दरार डालने वाली बहस हो रही है। विपक्षी दलों के प्रवक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना बाबर और औरंगजेब जैसे मुगल शासकों से कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जितना सम्मान संतो और शंकराचार्यों का किया है उतना किसी ने नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म का मान बढ़ाया है। अयोध्या, प्रयाग, काशी, मथुरा, विंन्ध्याचल के उपेक्षित मंदिरो का जीर्णोद्धार करके हिन्दू धर्म का मान बढ़ाया है। ऐसे कर्मयोगी संत के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी अस्वीकार्य है।

सुविधाओं का अंबार लगा है फिर भी मन बेचैन है तकनीकी उन्नति ने क्यों छीन ली हमारी शांति?

प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के अनुसार 'शांत और साधारण जीवन निरंतर बेचैनी के साथ सफलता की दौड़ से अधिक सुख देता है।' आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक विकसित, शिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम हो गया है। उसके पास सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। बिजली से चलने वाले यंत्र, तेज रफ्तार वाहन, स्मार्टफोन, इंटरनेट, आनलाइन सेवाएं और मनोरंजन के अनगिनत साधन उपलब्ध हैं। कुछ दशक पहले जिन चीजों का सपना भी नहीं देखा जा सकता था, वे आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। फिर भी अजीब विरोधाभास यह है कि जितनी तेजी से हमारी सुविधाएं बढ़ी हैं, उतनी ही तेजी से हमारा संतोष घटा है।

यह आधुनिक समाज की सबसे बड़ी विडंबना है- हमारे पास सब कुछ है, सिवाय शांति के। तकनीकी प्रगति ने मनुष्य के जीवन को कई तरह से आसान बनाया है। अब भोजन पकाने से लेकर बिल जमा करने तक, हर काम अंगुलियों के इशारे पर हो जाता है, लेकिन क्या इससे हमारा जीवन वास्तव में सुखी हुआ है? अगर हम ईमानदारी से उत्तर दें, तो पाएंगे कि भौतिक रूप से हम समृद्ध हुए हैं, पर मानसिक रूप से दरिद्र। आज हर कोई किसी न किसी दौड़ में लगा है- अधिक पैसा कमाने की, बड़ा घर खरीदने की, नाम और पहचान पाने की। लेकिन यह दौड़ कभी खत्म नहीं होती। जो कल 'सपना' था, वह आज 'जरूरत' बन गया है, और कल फिर उससे आगे की चाह उठ खड़ी होगी। मनुष्य जितना पा रहा है, उतना ही असंतुष्ट भी हो रहा है। यही आधुनिकता का दुश्चक्र है।

अगर हम कुछ दशक पीछे लौटें, जब गांवों में जीवन धीमी रफ्तार से चलता था, तो देखेंगे कि लोग कम साधनों में भी अधिक प्रसन्न थे। उनके पास न तो वातानुकूलन मशीन थी और न ही फ्रिज और मोबाइल। मगर उनके पास समय था- परिवार के लिए, पड़ोसियों के लिए और खुद के लिए। शाम होते ही लोग चौपाल पर बैठकर बातें करते, गीत गाते या मिलजुल कर किसी का दुख-सुख बांटते। बच्चों की हंसी खेतों में गूंजती और रिश्तों में अपनापन होता। वह पीढ़ी जानती थी कि 'कम में भी बहुत कुछ' होता है। उनके पास भले भौतिक साधन कम थे, पर मन की शांति थी, क्योंकि वे तुलना नहीं करते थे, प्रदर्शन नहीं करते थे।

वर्तमान युग को अक्सर 'सूचना युग' कहा जाता है, लेकिन सच कहें, तो यह तुलना युग भी है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। अब हर कोई अपने जीवन को दूसरों के सामने 'संपूर्ण' दिखाने में लगा है। एक व्यक्ति की सफलता दूसरे के लिए प्रेरणा बनने के बजाय ईर्ष्या का कारण बन जाती है। दूसरों की छुट्टियों, कपड़ों या कारों को देखकर अपने जीवन को अधूरा मानना आज आम बात हो गई है। यह लगातार तुलना और प्रदर्शन ही हमारे असंतोष का सबसे बड़ा कारण है। मनुष्य अब 'जीने' से ज्यादा 'दिखाने' में विश्वास करने लगा है।

सुविधाओं के इस महासागर में आज का व्यक्ति पहले से कहीं अधिक अकेला और बेचैन है। परिवार छोटे हो गए हैं, रिश्ते औपचारिक हो गए हैं और संवाद का स्थान संदेशों ने ले लिया है। लोग एक ही छत के नीचे रहते हुए भी अलग-अलग दुनिया में खोए रहते हैं। बच्चे बाहर खेलने की जगह स्क्रीन पर गेम खेलते हैं और माता-पिता अपने काम में इतने व्यस्त हैं कि पारिवारिक बातचीत दुर्लभ हो गई है। काम का दबाव, प्रतिस्पर्धा, महंगाई, भविष्य की चिंता- इन सबने मिलकर मनुष्य के भीतर निरंतर तनाव भर दिया है। आज अस्पतालों में शारीरिक रोगों से अधिक मानसिक

रोगों के मरीज मिलते हैं।

भौतिक साधन केवल शरीर की सुविधा बढ़ाते हैं, आत्मा की नहीं। एक व्यक्ति करोड़ों रुपए कमा सकता है, फिर भी रात को चैन से नहीं सो सकता। शांति और संतोष न तो बाजार में बिकते हैं, न बैंक में जमा होते हैं। वे भीतर से उपजते हैं- जब मनुष्य यह समझ लेता है कि 'पर्याप्त' क्या होता है। समस्या यह है कि आज हम 'पर्याप्त' का अर्थ ही भूल गए हैं। हर उपलब्धि के बाद भी और अधिक की चाह बनी रहती है। यह अंतहीन चाह ही मन की अस्थिरता का कारण बन गई है।

अगर हम वास्तव में शांति चाहते हैं, तो हमें अपनी जीवनशैली और सोच में परिवर्तन लाना होगा। जीवन को जितना सरल बनाएंगे, उतना हल्का महसूस करेंगे। अनावश्यक वस्तुओं और दिखावे से दूरी रखने की जरूरत है। जो कुछ हमारे पास है, उसके लिए आभार व्यक्त करें। खुशी बाहरी वस्तुओं से नहीं, बल्कि भीतर की स्थिरता और संतोष से आती है। यह सच है कि आधुनिक युग में सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि सुविधा का अर्थ सुख नहीं होता। कभी कार से नहीं, बल्कि पैदल चलकर सूरज ढलने का आनंद लेकर देखना चाहिए। जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना ही मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाते हैं। सच्चा विकास वही है जिसमें मनुष्य बाहर से नहीं, भीतर से भी उजाला महसूस करे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सुविधाओं का कोई अंत नहीं, लेकिन संतोष का आरंभ हमारे भीतर ही है। सुविधाओं का विस्तार निश्चित रूप से मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन अगर वह संतोष और शांति को नष्ट कर दे, तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि प्रगति रुक जाए, बल्कि यह कि प्रगति के साथ संतुलन बना रहे। हमें अपनी महत्त्वाकांक्षाओं को इतना बढ़ाने की जरूरत नहीं कि वे हमारे मन की शांति को निगल जाएं। इसलिए आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह नहीं कि हमारे पास और सुविधाएं हों, बल्कि यह है कि हमारे भीतर संतोष और शांति हो।

राख से बायो-एंजाइम तक, क्या रसायनों की चमक में हमने सफाई का असली विज्ञान खो दिया है?

भारतीय सभ्यता में स्वच्छता एक गहरा वैज्ञानिक और आध्यात्मिक संस्कार रही है। एक दौर था, जब सुबह की शुरुआत चूल्हे की राख और मिट्टी की सोंधी खुशबू से होती थी, जो वास्तव में उस समय की जीवनशैली की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी थी। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो वह सूक्ष्म रसायन विज्ञान का एक उत्कृष्ट उदाहरण था। मगर आज का आधुनिक समाज इसे पिछड़ेपन की निशानी समझकर त्याग चुका है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि अब हम टेलीविजन विज्ञापनों में 'नींबू और नमक की शक्ति' खोज रहे हैं, जबकि हमारे पूर्वज इन्हीं प्राकृतिक तत्त्वों के साथ रसायन-मुक्त जीवन जी रहे थे। वर्तमान में हम सुविधा के नाम पर डिब्बाबंद रसायनों तक तो पहुंच गए हैं, लेकिन इस यात्रा में हमने स्वच्छता की मूल परिभाषा को ही खो दिया है। आज प्रश्न यह नहीं है कि बर्तन और कपड़े धुलाई के बाद कितने चमक रहे हैं, बल्कि यह है कि उस कृत्रिम चमक के पीछे छिपे रसायन हमारे स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र को किस हद तक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वैज्ञानिक नजरिए से देखा जाए, तो राख कोई 'अपशिष्ट' नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'अपघर्षक' और 'क्षारीय' एजंट है। इसमें मुख्य रूप से पोटेशियम कार्बोनेट जैसे तत्त्व होते हैं। जब इस राख को पानी और बर्तनों पर लगी चिकनाई (वसा) के साथ रगड़ा जाता है, तो सतह पर एक ऐसी प्राकृतिक प्रक्रिया शुरू होती है, जो चिकनाई को साबुन में बदल देती है। इसके अतिरिक्त राख का उच्च 'पी-एच' स्तर इसे एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक बनाता है, जो सूक्ष्म जीवों की कोशिका भित्ति को नष्ट कर उन्हें मार देता है। यह तकनीक न केवल शून्य-लागत और किफायती थी, बल्कि मिट्टी और जल के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित थी।

औद्योगीकरण ने हमें 'सुविधा' के आवरण में सिंथेटिक डिटर्जेंट सौंप दिए। वैज्ञानिक रूप से ये रसायन पानी के 'पृष्ठ तनाव' को कम कर सफाई तो करते हैं, लेकिन इनसे हमारे स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचता है। त्वचा संबंधी समस्याओं के अलावा ये रसायन बर्तनों की सतह पर एक अदृश्य परत छोड़ देते हैं। अंतरराष्ट्रीय शोध बताते हैं कि एक व्यक्ति अनजाने में सालाना कई ग्राम डिटर्जेंट निगल जाता है, जो पाचन तंत्र को प्रभावित करने के साथ-साथ आंतों के लाभकारी जीवाणुओं को भी नष्ट कर देता है। इसके अलावा डिटर्जेंट में मौजूद 'थैलेट्स' जैसे तत्त्व हार्मोन के असंतुलन और अंतःस्राव समस्याओं के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं।

स्वच्छता की इस विकास यात्रा में 'बायो-एंजाइम' एक क्रांतिकारी मोड़ के रूप में उभरे हैं। यह अवधारणा मूल रूप से थाईलैंड की प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा रोसुकान पूमपंवोंग द्वारा विकसित की गई है। बायो-एंजाइम फलों के छिलकों, गुड़ और पानी के किण्वन से तैयार एक जैविक अर्क है। जहां रसायनिक डिटर्जेंट पानी के पृष्ठ तनाव पर काम करते हैं, वहीं बायो-एंजाइम का विज्ञान 'प्रोटीज', 'एमाइलेज' और 'लाइपेज' जैसे सक्रिय एंजाइम पर आधारित है। ये एंजाइम कचरे और तेल के जटिल कार्बनिक अणुओं को विखंडित कर उन्हें पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। इसकी सबसे अद्भुत विशेषता यह है कि यह पानी को प्रदूषित करने के बजाय उसे शुद्ध करता है। जब यह एंजाइम युक्त पानी नालियों में जाता है, तो वह वहां मौजूद प्रदूषकों और हानिकारक जीवाणुओं को भी नष्ट करता है। जिसे हम ताजगी भरी खुशबू समझते हैं, वह वास्तव में हमारे फेफड़ों और श्वसन तंत्र के लिए नुकसानदेह होती है।

भारत के कानूनी ढांचे और वैश्विक पर्यावरणीय मानकों के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो बायो-एंजाइम का उपयोग अब केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह एक अनिवार्य नागरिक कर्तव्य बन चुका है। देश के प्रत्येक नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं संवर्धन करे। जब हम रसायनों से भरे डिटर्जेंट का उपयोग करते हैं, तो हम अनजाने में अपने इस कर्तव्य का उल्लंघन कर रहे होते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसके संसाधनों का उपभोग करता है। इसी क्रम में जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के महत्त्व को समझना भी जरूरी है। यह अधिनियम स्पष्ट रूप से नदियों और जल निकायों में किसी भी हानिकारक या प्रदूषणकारी पदार्थ के विसर्जन को प्रतिबंधित करता है।

दरअसल, सामान्य डिटर्जेंट में भारी मात्रा में फास्फेट और नाइट्रेट होते हैं, जो नालियों से होते हुए अंततः हमारी नदियों और झीलों में पहुंचते हैं। यहां एक गंभीर समस्या उत्पन्न होती है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'यूट्रोफिकेशन' कहा जाता है। यानी डिटर्जेंट का फास्फेट पानी में मौजूद जंगली घास और शैवाल के लिए खाद का काम करता है। इससे शैवाल इतनी तेजी से बढ़ते हैं कि वे पूरी जल सतह को ढक लेते हैं, जिससे सूरज की रोशनी और हवा की आक्सीजन पानी में नहीं पहुंच पाती है। परिणामस्वरूप, मछलियां और अन्य जलीय जीव दम तोड़ देते हैं। एक जीवित नदी इस तरह 'मृत जल निकाय' में बदल जाती है।

विधिक सिद्धांतों की बात करें, तो रासायनिक डिटर्जेंट का बेलगाम उपयोग 'प्रदूषणकारी भुगतान सिद्धांत' के दायरे में आता है। इस सिद्धांत का अर्थ है कि जो प्रदूषण फैलाता है, उसे ही उसकी भरपाई की कीमत चुकानी होगी। हालांकि, पर्यावरण को होने वाले नुकसान की भरपाई पैसों से नहीं की जा सकती, इसलिए कानूनी और नैतिक रूप से 'निवारक सिद्धांत' को अपनाना बेहद जरूरी है। बायो-एंजाइम इसी निवारक सिद्धांत का हिस्सा हैं–प्रदूषण फैलाने के बाद सफाई करने से बेहतर है कि हम ऐसा विकल्प चुनें, जो प्रदूषण पैदा ही न करे। बायो-एंजाइम का उपयोग करके हम न केवल कानून का पालन करते हैं, बल्कि दूसरों के जीवन के अधिकार का सम्मान भी करते हैं। यह एक ऐसी विधिक जिम्मेदारी है, जो हमें एक 'उपभोक्ता' से बदलकर 'जागरूक संरक्षक' बनाती है।

अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो पूरी दुनिया अब रसायनों के खतरनाक प्रभाव को समझ चुकी है। यूरोपीय संघ ने अपने कड़े नियमों के जरिए यह तय कर दिया है कि केवल वही उत्पाद बाजार में टिकेंगे, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। इसी प्रकार, अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजंसी भी अब स्वच्छता के लिए उन प्राकृतिक तत्त्वों को बढ़ावा दे रही है, जिनका मिट्टी और पानी की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।

यह समझना आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्तर पर बायो-एंजाइम का चुनाव केवल एक घरेलू बदलाव नहीं, बल्कि 'स्वच्छ भारत अभियान' के उस वृहद उद्देश्य की पूर्ति है, जो केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं, बल्कि कचरे के स्रोत पर ही उसके वैज्ञानिक निपटान की बात करता है। जब हम अपनी जीवनशैली को प्रकृति के चक्र के अनुरूप ढालते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ी को केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि एक 'जीवित और श्वसन योग्य पारिस्थितिकी' सौंपते हैं। मानव सभ्यता का इतिहास एक पूर्ण चक्र की तरह है, जहां हमने राख की प्राकृतिक शुद्धता से शुरुआत की और रसायनों के भंवर से होते हुए अब बायो-एंजाइम की 'समझदारी' की ओर लौट रहे हैं। राख हमारा गौरवशाली अतीत थी और बायो-एंजाइम हमारा सुरक्षित भविष्य है।

यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल और उपजाऊ मिट्टी विरासत में देना चाहते हैं, तो इस क्रांति की शुरुआत हमारी रसोई में बर्तन धोने वाली जगह से होनी चाहिए। प्रकृति के पास हर संकट का समाधान है, बशर्ते हम उसे पहचानने की वैज्ञानिक और विधिक दूरदर्शिता विकसित करें।

नारायणी कटरा मे मनाई गई संत शिरोमणि की जयंती

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के नारायणी कटरा मे संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सर्व समाज जनहित पार्टी द्वारा आयोजित जन्मोत्सव का शुभारंभ संत शिरोमणि रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने कियात्पूर्व की भांति आयोजित कार्यक्रम मे श्री सिंह ने रविदास जी को नमन करते हुए कहा कि उनके जीवन से लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने भक्ति मार्ग के जरिए देश में जाति पाति धर्म ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त करने का काम किया था ऐसे संत शिरोमणि को शत शत नमन करता हूं। लोगों से उनके सिद्धांतो को आत्मसात करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर जीवन को कृतार्थ करने का आह्वान किया।इस मौके पर डा.विनय शंकर तिवारी, सिंटू शुक्ला, रामानुज त्रिपाठी, दिलीप तिवारी, मोहम्मद उमर , राम रसीले, प्रमोद कुमार, चंदर दुआ रामबाबू, मून्नू , वारिस, अरमान, लल्लन

एसपी की मुस्तैदी से बरामदे में सोए हुए व्यक्ति पर जानलेवा हमला में शामिल अपराधी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां पर आवेदक प्रमोद चौहान पुत्र स्व राज नरायण चौहान निवासी ग्राम भिखमा पुर थाना सुरियावां भदोही द्वारा सूचित किया गया कि दिनांक 28.1.2026 समय लगभग 10.30 रात्रि को है। मैं अपने कमरे में सो रहा था तथा मेरा बड़ा भाई विनोद चौहान उम्र 34 वर्ष घर के बाहर बरामदे में सो रहे थें। दो व्यक्ति नाम पता अज्ञात आयें और मेरे भाई के उपर कुल्हाड़ी व लाठी डंडा से जान लेवा हमला किये जिससे मेरे भाई के दोनों पैर गम्भीर रुप से घायल हो गये जिनको ईलाज हेतु ट्रामा सेन्टर वाराणसी भर्ती कराया गया है। मेरा जमीन सम्बन्धित विवाद निजामुदीन पुत्र जबरुल्ला निवासी सुभाष नगर ग्राम कलापुर थाना ऊंज जनपद भदोही से चल रहा है। मुझे शक है कि निजामदिन ने मेरे भाई पर हमला करवाया है। आवेदक की तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 25/2026 धारा 109 बीएनएस पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में बरामदे में सोए हुए व्यक्ति पर लोहे के एंगल से जोरदार प्रहार कर जानलेवा हमला/घायल करने की घटना में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में आज दिनांक 01.02.2026 को प्रभारी निरीक्षक मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 25/2026 धारा 109 बीएनएस से संबंधित प्रकाश में आए अभियुक्त करिया उर्फ कलेक्टर पुत्र लखन्दर निवासी कनकपुर थाना सुरियावां जनपद भदोही को मड़इया नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान संबंधित मा0 न्यायालय किया गया।

पूछताछ पर अभियुक्त स्वयं अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि निजामुद्दीन पुत्र जबरुल्ला निवासी सुभाष नगर ग्राम कलापुर थाना ऊंज जनपद भदोही द्वारा मेरी मां पर कामुक दृष्टि/अभद्र टिप्पणी/गलत नजर से देखता था जिसको लेकर गांव वाले मुझे चिढ़ाते थे। जिसका मुझे बदला लेना था। मुझे पता था कि विनोद चौहान पुत्र स्व0 राज नरायण चौहान निवासी ग्राम भिखमापुर थाना सुरियावां भदोही और निजामुदीन से विवाद चल रहा हैं। दोनों के बीच चल रहे विवाद का लाभ लेते हुए निजामुद्दीन को फसाने के लिए मैं दिनांक- 28.01.2026 को रात्रि में अपने घर से लोहे का एंगल लेकर गया और जान से मारने की नीयत से विनोद कुमार चौहान के घर जाकर उसके पैर पर जोरदार प्रहार करके मारा, जिससे उसका पैर कट गया तथा एंगल को गेहूं के खेत में फेंक दिया था और अपने घर चला गया।

साइकिल चलाने से सर्वांग व्यायाम होता है - मदन चंद श्रीवास्तव

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया। साइकिल यात्रा बड़ा चौराहा से प्रारंभ होकर ज्ञानपुर रोड होते हुए समाजसेवी मदन चंद श्रीवास्तव के आवास पहुँची, जहाँ उनका और डॉ. नवीन श्रीवास्तव का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मदन चंद श्रीवास्तव ने कहा कि साइकिल चलाना सर्वांग व्यायाम है और इससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। डॉ. नवीन श्रीवास्तव ने नियमित योग और सुबह जल्दी उठने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे रवाना किया। यात्रा का समापन उत्सव लॉन मिर्जापुर में हुआ, जहाँ स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के नारों के साथ अभियान संपन्न हुआ।

ग्राम चौपालों के माध्यम से महिलाओं व बालिकाओं को किया जा रहा जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर शासन की मंशा के अनुरूप भदोही पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0' के तहत जनकल्याणकारी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिला बीट अधिकारियों द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। अभियान के अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने गांवों, कस्बों, स्कूलों, कॉलेजों एवं धार्मिक स्थलों पर भ्रमण करते हुए ग्राम चौपालों का आयोजन किया, जहां महिलाओं व बालिकाओं की समस्याएं सुनी गईं और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान का प्रयास किया गया। इस दौरान कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं।

महिला बीट अधिकारियों द्वारा महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क, कानूनी प्रावधानों तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए 1930 हेल्पलाइन नंबर के उपयोग के संबंध में भी बताया गया। जागरूकता के लिए पम्पलेट भी वितरित किए गए।

पुलिस ने दबोचा मोबाइल चोर, कब्जे से 1 अदद एन्ड्रायड मोबाइल फोन बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावाँ पर आवेदक तपानाथ विश्वकर्मा पुत्र माता प्रसाद विश्वकर्मा निवासी कुसौड़ा थाना सुरियावां जनपद भदोही द्वारा सूचित किया गया कि हरिनाथ पुत्र अमरनाथ निवासी कलियापुर थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही मेरे घर में घुसकर कुछ सामान चोरी करने लगा तभी मेरी नींद आवाज आने पर खुल गयी जब हम उठे तो हरिनाथ ने मेरा मोबाइल लेकर भाग गया। इसके संबंध में मु0अ0सं0- 27/2026 धारा 305 ए बीएनएस थाना सुरियावां जनपद भदोही का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

फुटबॉल प्रतियोगिता में पेनाल्टी शूटआउट में मुनारी ने ज्ञानपुर को हराया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ज्ञानपुर स्थित बीएन जीआईसी इंटर कॉलेज मिनी स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को बेहद रोमांचक माहौल में खेला गया। फाइनल मैच मुनारी और ज्ञानपुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें शानदार खेल दिखाती रहीं, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

मैच गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने के बाद पेनाल्टी शूटआउट कराया गया, जिसमें मुनारी की टीम ने 5 गोल दागकर जीत दर्ज की, जबकि ज्ञानपुर की टीम केवल 3 गोल ही कर सकी। इस प्रकार मुनारी की टीम टूर्नामेंट की विजेता बनी, जबकि ज्ञानपुर की टीम को उपविजेता घोषित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में उपविजेता ज्ञानपुर टीम को 11, 000 रुपये नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिसे जिला पंचायत सदस्य अंजनी शुक्ला एवं ज्ञानपुर के पूर्व चेयरमैन हीरालाल मौर्य द्वारा प्रदान किया गया।

वहीं विजेता मुनारी टीम को 21, 000 रुपये नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की गई। विजेता टीम के खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि भदोही के पूर्व सांसद डॉ. रमेश चंद बिंद एवं शाहिद रजा रिजवी द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इनोवा कार के टक्कर से गलत दिशा से जा रहे बाइक सवार दो घायल

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के गोपपुर मे राष्ट्रीय राजमार्ग पर इनोवा कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में बताया जाता है प्रतापगढ़ जनपद के विरौती पट्टी निवासी विकास यादव 30 वर्ष व दीपक विश्वकर्मा 35 वर्ष अपने अपाचे बाइक से विंध्याचल दर्शन करने गए थे जहां से रविवार को सुबह वापस लौट रहे थे राष्ट्रीय राजमार्ग पर रांग साइड से दक्षिणी लेन पर जा रहे थे इस दौरान वाराणसी से प्रयागराज गंगा स्नान करने जा रहे श्रद्धालु की इनोवा कार से बाइक की भिड़ंत हो गई जिसमें जहां इनोवा कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वही कार सवार पूरी तरह सुरक्षित रहे। बाइक सवार विकास यादव की हालत जहां गंभीर हुई वहीं दीपक विश्वकर्मा को भी काफी चोटे आई। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां से विकास यादव को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस इनोवा और बाइक को थाना ले गई और मामले की जांच पड़ताल करने में लगी है।

बाँदा को छः विकेट हराकर सेवाश्रम इंटर कॉलेज ने जीता खिताब

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।सुरियावां क्षेत्र के महर्षि आज़ाद स्टेडियम मेढ़ी में तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। रविवार को फाइनल मैच में सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बाँदा को छः विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में बाँदा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 190 रन बनाए। बाँदा की ओर से राहुल राज ने 43 गेंदों पर 82 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सौरभ प्रताप ने 19 गेंदों पर 42 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां की टीम ने 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से यश ने 31 गेंदों पर 54 रन की विस्फोटक पारी खेली।

वहीं अनुराग राघव ने 33 गेंदों पर नाबाद 52 रन और दुर्गा चरण ने नाबाद 29 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

बाँदा की ओर से गेंदबाजी में वैभव पाल (3 ओवर, 32 रन, 1 विकेट), ध्रुव प्रताप सिंह (3 ओवर, 41 रन, 1 विकेट) और रंजीश कुमार (4 ओवर, 42 रन) ने संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके।

मैच समाप्त होने के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइज़र प्रतीक महर्षि दुबे एवं फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि मडियाहू विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

इस दौरान विजेता सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां को 1, 00, 000 रुपये नगद व ट्रॉफी, जबकि उपविजेता बाँदा की टीम को 50, 000 रुपये नगद व ट्रॉफी प्रदान की गई।फाइनल मैच के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि 'ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन युवाओं को नई दिशा देते हैं। भविष्य में सुरियावां क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।' वहीं प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइज़र प्रतीक महर्षि दुबे ने कहा कि 'इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को मंच देना है। खिलाड़ियों और दर्शकों का जो सहयोग मिला है, उससे आगे भी ऐसे बड़े आयोजन कराए जाएंगे।'

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, सुरेश चंद्र मिश्रा, मोनू मिश्रा, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, दिनेश यादव दादा, जमींदार बिंद, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, , मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, आशीष उपाध्याय सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन करेगा 11 दिवसीय निःशुल्क विज्ञान महोत्सव का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में हिन्दू विज्ञान को आम जनमानस तक सरल, रोचक और व्यवहारिक रूप में पहुँचाने के उद्देश्य से डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन, गोरखपुर द्वारा एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। संस्था द्वारा 02 फरवरी 2026 से 12 फरवरी 2026 तक निःशुल्क विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।इस विशेष आयोजन के अंतर्गत हैंड्स-ऑन साइंस एक्टिविटी, दूरबीनों द्वारा आकाश दर्शन, वैज्ञानिक व्याख्यान, तथा प्रयोग आधारित कार्यशालाएं आयोजित होंगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना को विकसित करना है।डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि यह संपूर्ण कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कोई भी स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्था या सामाजिक संगठन अपने परिसर में इस विज्ञान कार्यशाला का आयोजन कराने हेतु संस्था से संपर्क कर सकता है।कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित विज्ञान विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इनमें गुजरात से प्रसिद्ध विज्ञान संचारक सी. चंद्रमौली, हरियाणा से विज्ञान संचारिका चित्रा सिंह, फाउंडेशन के सीईओ राहुल व्यास, खगोल-भौतिकविद संतोष कुमार, संयोजक गिरिजेश, गणितज्ञ डॉ. अनूप कुमार सिंह, रोबोटिक्स विशेषज्ञ अविनाश भास्कर सहित कई अन्य विशेषज्ञ शामिल होंगे।फाउंडेशन की संस्थापक प्रिया यादव ने बताया कि यह पहल विज्ञान को किताबों की सीमाओं से बाहर निकालकर समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करना है, ताकि देश को विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, कल्पना चावला और राकेश शर्मा जैसे वैज्ञानिक व्यक्तित्व मिल सकें। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष प्रयोगों द्वारा विज्ञान को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक जिज्ञासा का विकास होगा।

विधायक कपिलवस्तु की पहल पर सड़को का बिछा जाल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा कुल 54 मार्गों के सामान्य मरम्मत कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

एक नफर वांछित बाल अपचारी को निगरानी में लेकर न्यायालय पुलिस भेजा

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में अमित कुमार थानाध्यक्ष थाना पथरा बाजार के नेतृत्व मे थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 006/2026 धारा 137(2), 87 बीएनएस से सम्बंधित वांछित बाल अपचारी को को उप निरीक्षक सतोष कुमार सिह, कास्टेबल अनुपम मौर्या, महिला कांस्टेबल वविता भारती की निगरानी में लेकर न्यायालय भेजा।

इस स्वीकृति को क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति कपिलवस्तु विधानसभा की जनता की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया है। विधायक श्यामधनी राही ने बताया कि इन सड़कों के मरम्मत कार्य से ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और कृषि कार्यों को भी गति मिलेगी। लंबे समय से जर्जर मार्गों की मरम्मत की मांग की जा रही थी, जिसे अब सरकार ने गंभीरता से पूरा किया है। स्वीकृत प्रमुख संपर्क मार्गो में पकडी उदयपुर से छोटकी हरैया संपर्क मार्ग, हरेपा सात प्राथमिक विद्यालय से तरकुलहा संपर्क मार्ग, पीकापार संपर्क मार्ग, पीकापार से परसा संपर्क मार्ग, बर्तीपुर-5 (बेलहरि) से बर्डपुर नं0-5 (गोसाइडीह) संपर्क मार्ग, ककरहवा पिपरहवा मार्ग से लालपुर संपर्क मार्ग, चयनपुर ककरहवा मार्ग के किमी-03 से पिपरसन संपर्क मार्ग, नौगढ़ महापाली मार्ग के किमी-6 से महदेवा संपर्क मार्ग, ककरहवा खैराटी मार्ग से बरदहवा संपर्क मार्ग, बरगदी चौराहे से पकड़ी दीगर संपर्क मार्ग, एनएच-233 से सगरहवा संपर्क मार्ग, दुलहा दलदलहा मार्ग से केवटलनाथ होते हुए सेमरी तक संपर्क मार्ग, ककरहवा खेराटी मार्ग से मजगावा संपर्क मार्ग, अलीगढ़वा

बर्डपुर बिहरा से बहोरवा (उत्तर) गांव तक संपर्क मार्ग, बूढ़ा खास संपर्क मार्ग, युसुफपुर सडडा भगवानपुर होते हुए वैरीजोत संपर्क मार्ग, बर्डपुर पल्टादेवी मार्ग से कंचनिया दक्षिणी संपर्क मार्ग, रेस्ट हाउस नौगढ़ का आंतरिक मार्ग, एलडी मार्ग से दुल्लहा दरम्यानी, बैजनाथपुर रतनपुरवा, टुगौरा संपर्क मार्ग, कुशभौना से खीरीहवा डीह संपर्क मार्ग, ककरही टडिया गायघाट से कुसम्ही संपर्क मार्ग, मधुबनवा संपर्क मार्ग, उसका सोहास मोहाना से बरोहिया खालसा संपर्क मार्ग, महादेवा पटनी जंगल से काकोरी संपर्क मार्ग, मोहाना रामपुर मार्ग से केवलपुर संपर्क मार्ग, तिलकहना हरदासपुर से कोईलहवा नरायनपुर संपर्क मार्ग, नौगढ़ कोडराग्रांट से कपिया बुकनिहा ग्रांट मार्ग, एफएनबीएस से कटकी संपर्क मार्ग, कोल्हुआ से देवतहवा ग्रांट संपर्क मार्ग, उसका बृजमनगंज से भवनियापुर संपर्क मार्ग, एनएच-730 से मेहदिया खुर्द व मेहदिया बुजुर्ग संपर्क मार्ग, उसका बृजमनगंज सेमरहना मार्ग से जयपुर सम्पर्क मार्ग, भठिया महादेवा से धोबहा संपर्क मार्ग, कटकी से चौहानडीह संपर्क मार्ग, पकड़ी उदयपुर से सिंहोरवा व पकड़ी उदयपुर से सजनापार संपर्क मार्ग, सजनापार से बेरिपहवा संपर्क मार्ग, एफएनबीएस मदनपुर से दैजौली सम्पर्क मार्ग, कुआं हाटा से छितरापार सम्पर्क मार्ग, एफएनबीएस से नौखनिया सम्पर्क मार्ग, एफएनबीएस दैजौली मदनपुर संपर्क मार्ग, मोहाना लोटन से फुलवरिया संपर्क मार्ग, लोटन नेपाल सीमा से विजदेईया संपर्क मार्ग, मोहाना लोटन से लकडा होते हुए लोधपुरवा संप क मार्ग, कोल्हुआ से ठडवरिया संपर्क मार्ग, एफएनबीएस से जगदीशपुर खुर्द-डिहवा संपर्क मार्ग, घेन्सा महादेवा से अहिरनडीह संपर्क मार्ग, एनएच-233 से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय होते हुए महिला मार्ग, एनएच-730 से बसहिलिया संपर्क मार्ग, नौगढ़ महापाली से पिछौरा संपर्क मार्ग तथा एनएच से कोल्हुआ दाता संपर्क मार्ग शामिल हैं।

विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता दे रही है, और सड़क कनेक्टिविटी मजबूत कर विकास को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि शीघ्र ही सभी स्वीकृत मार्गों पर मरम्मत कार्य प्रारंभ होगा, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में पलक पाटील ने लहराया सफलता का परचम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

तालुका के अंबाडी की रहने वाली छात्रा पलक जनार्दन पाटील ने अलीबाग में 22 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित नेशनल फील्ड आर्चरी चैंपियनशिप में अपनी स्कूल टीम के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है।

पलक वाडा स्थित 'लिटिल एंजल्स इंग्लिश मीडियम स्कूल' की छात्रा हैं। इस स्कूल की टीम ने प्रतियोगिता में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया था। स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लेकर स्वर्ण और रजत पदकों की झड़ी लगा दी।

14 वर्ष से कम टीम मे पलक जनार्दन पाटिल, देवश्री अक्षय भोईर और याज्ञनिका अतुल तारे ने टीम स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

इन विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता के सहयोग से स्कूल के दौरान और स्कूल के बाद पिछले एक साल से कड़ी मेहनत की। तीरंदाजी प्रशिक्षक शैलेश भंसाली के मार्गदर्शन में इन बच्चों ने नियमित अभ्यास किया, जिसका परिणाम आज सबके सामने है।

विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र भानुशाली और प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुमन मैनी ने सभी विजेताओं का अभिनंदन किया है और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

नगरसेवक के घर में सेंधमारीः वॉचमैन गिरोह ने 26.59 लाख के माल पर हाथ साफ किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी नगर निगम में नवनिर्वाचित एक नगरसेवक के घर में उनके ही वॉचमैन ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह घटना भिवंडी शहर के कामतघर इलाके में हुई है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, संदीप भोईर हाल ही में हुए भिवंडी नगर निगम चुनाव में प्रभाग क्रमांक 21 से विजयी हुए हैं। 30 जनवरी को उनके भांजे की सगाई वाडा में थी, जिसके कारण पूरा परिवार वहां गया हुआ था।

चोरों ने उनके चंदनबाग स्थित भारत कॉलोनी के 'हीरा कॉम्प्लेक्स' की पहली मंजिल पर स्थित फ्लैट के बाथरूम की ग्रिल तोड़कर अंदर प्रवेश किया। बेडरूम की अलमारी से 8 लाख 80 हजार रुपये नकद और 13.275 तोला सोने के आभूषण, कुल मिलाकर 26 लाख 59 हजार रुपये का कीमती सामान चोरी कर लिया गया।

इस इमारत में एक महीने पहले ही एक नया वॉचमैन काम पर रखा गया था। उसकी पत्नी संदीप भोईर के घर में साफ-सफाई का काम करती थी।

30 जनवरी की रात करीब 9 बजे वॉचमैन के पास दो अज्ञात व्यक्ति आए। उन सबने रात में पार्टी की और यह पक्का किया कि संदीप भोईर परिवार सहित बाहर गए हुए हैं। रात करीब 2 से 3 बजे के बीच आरोपियों ने फ्लैट में घुसकर चोरी की।

जब संदीप भोईर घर लौटे, तो उन्हें फ्लैट अंदर से बंद मिला। धक्का देकर दरवाजा खोलने पर उन्हें चोरी का पता चला। परिवार ने तुरंत वॉचमैन और उसकी पत्नी की तलाश शुरू की। वॉचमैन कल्याण में पाया गया, जिसे पकड़कर नारपोली पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पुलिस ने संदीप भोईर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए अन्य फरार चोरों की तलाश कर रही है।

सीतारमण ने पेश किया आम बजट

मुख्यमंत्री ने बताया दूरदर्शी और लोक-कल्याणकारी, वित्त मंत्री का जताया आभार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प पत्र है। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पावन माघी पूर्णिमा एवं सद्गुरु रविदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में आज (रविवार को) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प-पत्र है।'

उन्होंने कहा 'यह बजट युवाओं को

अवसर, किसानों को सुरक्षा, उद्यमियों को प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग को राहत और श्रमिकों को सम्मान प्रदान करेगा।' योगी ने कहा ' यह बजट नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को नई गति देने के साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, अवसंरचना, पर्यटन, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाते हुए 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को साकार करेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव को और सुदृढ़ किया गया है।

योगी ने भरोसा जताते हुए कहा, 'पूर्ण विश्वास है कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और सुशासन के माध्यम से यह बजट वर्तमान के साथ भविष्य के भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।' उन्होंने कहा, 'इस दूरदर्शी एवं लोक-कल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार एवं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।' वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, ' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 युवा और महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन तथा शिक्षा-स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। यह बजट ठोस नीतियों और परिणामोन्मुख दृष्टि के साथ 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाता है।'

उन्होंने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग से इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य से पर्यटन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से एआई, खेल से तीर्थ-हर क्षेत्र में व्यापक अवसर खोलता यह विकसित भारत बजट भारत को उभरते आर्थिक शक्ति-केंद्र के रूप में नई पहचान देता है।' उन्होंने पोस्ट में मोदी और सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा 'प्रधानमंत्री की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था को जो मजबूती मिली है, यह बजट उसी गति को और तेज करता है।'

श्रीकृष्णार्पित गीतायन - अध्याय 6

ध्यान-योग

माघ मेला, प्रयागराज स्थित कृष्णार्पित पंडाल में छठवें दिवस की कथा

माघ मेला प्रयागराज के पावन तीर्थ क्षेत्र में कृष्णार्पित पंडाल में छठवें दिवस की कथा का शुभारंभ करते हुए इं. देवेन्द्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित' जी ने कहा– पिछले अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मन से संन्यास और कर्मयोग का द्वैत दूर किया। अब षष्ठम अध्याय में वे उस योग की शिक्षा दे रहे हैं। जिससे मनुष्य मन, इन्द्रियों और चित्त को वश में कर आत्मसाक्षात्कार की ओर अग्रसर होता है।

यह अध्याय है–ध्यान योग।

शास्त्र उद्घोष करता है–

योग और संन्यास का, गूढ़ भेद पहचान। बार-बार विधिवत कहें, कृष्ण ज्ञान विज्ञान?

भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं–

अर्जुन! संन्यास का अर्थ केवल कर्म या अग्नि का त्याग नहीं है। जो मनुष्य कर्म करते हुए भी फल की आशा नहीं रखता, वही सच्चा संन्यासी और

वही योगी है।

भगवान कहते हैं–

अनाश्रितः कर्मफलं कार्यं कर्म करोति यः। स संन्यासी च योगी च न निरग्निर्न चाक्रियः

अर्थात– जो कर्मफल का आश्रय छोड़कर नियत कर्म करता है, वही संन्यासी है और वही योगी है। न कर्म का त्याग संन्यास है और न अग्नि का त्याग।

इं. देवेन्द्र नाथ शुक्ला कृष्णार्पित ने श्रोताओं को समझाते हुए कहा– संन्यास बाहर का नहीं, भीतर का विषय है। जब मनुष्य संकल्पों का त्याग कर देता है, तभी वह योग के योग्य बनता है।

भगवान आगे कहते हैं–

यं संन्यासमिति प्राहुर्योगं तं विद्धि पाण्डव। न ह्यसंन्यस्तसंकल्पो योगी भवति कश्चन? 6.2 ?

हे पाण्डव! जिसे संन्यास कहा जाता है, वही योग है। जो संकल्पों का परित्याग नहीं करता, वह कभी योगी नहीं बन सकता।

कथा में आगे बताया गया– योग का आरंभ नियत कर्म से होता है और सिद्धि ध्यान में होती है। जब तक मन चंचल है, तब तक कर्म साधन है। जब मन स्थिर हो जाए, तब वही योग ध्यान बन जाता है। नियत कर्म साधन जानो, ध्यान सिद्धि का आधार। मन संयम से जो साधे, वही पाता भव-पार?

भगवान श्रीकृष्ण ध्यान योग की विधि बताते हुए कहते हैं–

योगी को चाहिए कि वह एकांत स्थान में शुद्ध आसन पर बैठकर मन को एकाग्र करे, न अधिक भोजन करे, न अत्यधिक उपवास। अत्यधिक भोग और कठोर तप– दोनों योग में बाधक हैं। सम्यक आहार-विहार, सम्यक निद्रा और संयमित जीवन– यही ध्यान योग की कुंजी है।

इं. देवेन्द्र नाथ शुक्ला जी ने कहा–

यदि अभ्यास करते समय कभी चित्त विचलित भी हो जाए, तो साधक निराश न हो। किया गया अभ्यास कभी व्यर्थ नहीं जाता। पूर्व जन्मों में किए गए योगाभ्यास के संस्कार अगले जीवन में अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। योगी का मार्ग धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और अंततः वह सिद्धि को प्राप्त करता है।

अभ्यास नहीं जाता व्यर्थ,
यह गीता का प्रमाण।
पूर्व जन्म का योग बल,
कर देता पथ आसान?

अंत में उन्होंने कहा– प्रिय श्रोतागण, ध्यान योग हमें सिखाता है–
कर्तापन का त्याग,
संकल्पों का विसर्जन
और प्रत्येक कर्म को
'श्रीकृष्णार्पित' कर देना।
जो ऐसा करता है,
वह संसार में रहते हुए भी
बंधनमुक्त रहता है।
यही ध्यान योग का सार है।
इस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने
अर्जुन को ध्यान योग का गूढ़ रहस्य समझाया
और अर्जुन का चित्त शांति से भर उठा।

कथा के अवसर पर कृष्णार्पित पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही मुख्य रूप से श्रीमती वंदना पांडे श्रीमती दुर्गा त्रिपाठी श्रीमती अरुण शुक्ला डॉ श्री प्रकाश मिश्रा एस एन त्रिपाठी दुर्गा दत्त पांडे संदीप तिवारी दिव्यांश आदि सभी ने ध्यान योग के इस दिव्य संदेश को श्रवण कर आत्मिक लाभ प्राप्त किया।

फार्म-7 भेज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रच रही भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत गाँवों में पहले से छपे फार्म-7 भेजे जाने को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इन फार्मों के जरिए फर्जी आपत्तियाँ दर्ज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रची जा रही है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ता का कोई अता-पता नहीं है और फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में खासतौर से पीडीए समाज और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। कई मतदाताओं को तो यह भी जानकारी नहीं है कि उनके सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद उनके नाम पर आपत्ति लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष ने माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग और समस्त पत्रकारों से इस 'महाघोटाले' का संज्ञान लेने की अपील की है।

साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय व स्थानीय मीडिया, यूट्यूबर और लोकल न्यूज़ कर्मियों से लोकतंत्र के हित में इस कथित साजिश का पर्दाफाश करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों को देश-प्रदेश के सामने लाएगी और ईमानदार पत्रकारिता करने वालों का समर्थन करेगी।

दबंगों ने हाथरस में आरएसएस के जिला प्रचारक पर बोला हमला, पुलिस ने आरोपियों पर लिया एक्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक पर रविवार सुबह कथित तौर पर एक विवाद के बाद पांच लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरएसएस के घायल जिला प्रचारक जयकिशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें आगरा रेफर किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीन अन्य की तलाश में जुट गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के समय प्रचारक जयकिशोर शहर से वापस आरएसएस के नवल नगर स्थित कार्यालय आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार नवल नगर में पहुंची, सामने से स्कूटी सवार दो युवक आ गए। यहां वाहन आगे-पीछे करने को लेकर पहले विवाद हुआ, फिर अचानक युवकों ने उन पर हमला कर दिया। विवाद की सूचना मिलने पर युवकों के अन्य साथी भी वहां आ गए।

उन्होंने बताया कि जिला प्रचारक की कार में तोड़फोड़ करते हुए उन्हें नीचे उतार लिया गया और लात घूसों से पीटा गया। वारदात की जानकारी पर संगठन के कार्यकर्ता व पुलिस मौके पर पहुंच गई। विधायक सदर अंजुला माहौर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह सहित पार्टी तथा आरएसएस के तमाम पदाधिकारी भी मौके पर आये।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) चिरंजीवनाथ सिन्हा ने कहा कि आरएसएस प्रचारक के साथ मारपीट की इस घटना में पांच स्थानीय लोग शामिल रहे हैं, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है और तीन अन्य की तलाश की जा रही है। एसपी ने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। इस घटना से भाजपा तथा आरएसएस संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

पंजाब कांग्रेस में सियासी हलचलः राजा वड़िंग का नवजोत कौर के आरोपों पर पलटवार, कहा- वो पहले ही निकाली जा चुकी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी विवाद खुलकर सामने आ गया है। पूर्व विधायक और नेता नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस छोड़ने की घोषणा करते हुए पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कड़ा पलटवार किया। दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

नवजोत कौर सिद्धू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी है और पार्टी में काबिल नेताओं की आवाज नहीं सुनी जाती। उन्होंने राजा वड़िंग पर भ्रष्टाचार, अयोग्यता और पार्टी को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। सिद्धू ने दावा किया कि उनके पास ऐसे सबूत हैं जो नेतृत्व को बेनकाब कर सकते हैं, लेकिन वह ऐसा करने में रुचि नहीं रखतीं।

राजा वड़िंग का तीखा जवाब

राजा वड़िंग ने सिद्धू के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू पहले ही पार्टी से निकाली जा चुकी हैं, इसलिए उनके इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि वह उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उन्हें इलाज की जरूरत है और उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लगती।

महिलाओं और बालिकाओं को पुलिस ने सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के ग्राम अगया मे महिलाओं व बालिकाओं को खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर

प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर और नए कानून के बारे में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, महिला कांस्टेबल कंचन लता सिंह, महिला कांस्टेबल अंबिका ने किया जागरूक।

गेस्ट हाउस की आड़ में चल रहा था जिस्मफरोशी का धंधा, आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए लड़कियों और ग्राहक, 5 गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र में एक गेस्ट हाउस की आड़ में चल रहे अनैतिक देह व्यापार के अड्डे का स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी-2) और पुलिस टीम ने छापेमारी कर भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से तीन युवतियों समेत पाँच लोगों को हिरासत में ले लिया है। यह सभी लोग आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए है। पुलिस की छापेमारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति द्वारा हेल्पलाइन नंबर पर सूचना मिली थी कि त्रिदेव मंदिर के सामने स्थित विजय लक्ष्मी गेस्ट हाउस में अनैतिक देह व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना मिलने के बाद एसओजी-2 और पुलिस टीम ने छापा मारा तो एक कमरे में तीन युवतियाँ और एक ग्राहक मिला। सभी को हिरासत में ले लिया गया। होटल

संचालक को भी हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में पता लगाया जा रहा है कि ये युवतियाँ कहाँ से आई हैं। कुछ युवतियों ने बातचीत में खुद को बाहर की बताने की कोशिश की है। इस छापेमारी के दौरान पुलिस को आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। जांच में पता चला कि गेस्ट हाउस का इस्तेमाल सेक्स रैकेट संचालन के लिए किया जा रहा था। सभी को हिरासत में ले लिया गया है।

पहले किया पति का मर्डर, फिर मिटाई हवस की भूख लाश के पास रातभर मामी ने भांजे संग बनाए संबंध

शाहजहांपुर। पुलिस ने शाहजहांपुर जिले में भांजे के साथ कथित प्रेम संबंधों के कारण अपने पति की हत्या करने की आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मृतक की पत्नी पूजा (25) तथा उसके भांजे आदेश (22) के रूप में की गई है। उसने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना पुवाया अंतर्गत भटपुरा गांव में रहने वाले बलराम (30) का शव उसके घर में बुधवार को चारपाई पर मिला था। द्विवेदी ने बताया कि बलराम की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई थी। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई ने इस मामले में थाना पुवाया में शिकायत दर्ज कराई।

द्विवेदी ने शिकायत के हवाले के बताया कि पूजा के आदेश से प्रेम संबंध हैं और मृतक के भाई ने इस हत्या में उन दोनों का हाथ होने का संदेह जताया है।

भारत में बदलेगी खेलों की तस्वीर, बजट 2026 में 'खेलो इंडिया मिशन' का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार ने देश में खेलों को जमीनी स्तर से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का उद्देश्य अगले दशक में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे के व्यवस्थित विकास के जरिए प्रतिभा निखारना है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव लाया जा सके।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे, कोचों और सहायक स्टाफ का व्यवस्थित विकास किया जाएगा। खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को बढ़ावा

मिलेगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच और संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में उच्च गुणवत्ता और किफायती खेल सामान के निर्माण की बड़ी संभावनाएं हैं। इसके लिए सरकार खेल सामान उद्योग के लिए एक समर्पित पहल शुरू करेगी, जिससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने की सिफारिश की है, ताकि कोचों को भी शीर्ष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय सहायता मिल सके और भारत की पदक संभावनाएं मजबूत हों।

भारत वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। ऐसे में खेलो इंडिया मिशन को भविष्य की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

बजट 2026 का बड़ा ऐलानः स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में लाखों नौकरियां, 1 लाख प्रोफेशनल्स को मिलेगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को घोषणा की कि सरकार संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मौजूदा संस्थानों का उन्नयन करेगी और निजी एवं सरकारी दोनों क्षेत्रों में नए संस्थान स्थापित करेगी। इस पहल का उद्देश्य अगले 5 वर्षों में ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एप्लाइड साइकोलॉजी सहित 10 चयनित विषयों में 1 लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है। केंद्रीय बजट 2026 पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार वृद्धावस्था चिकित्सा और संबद्ध देखभाल सेवाओं को शामिल करते हुए एक मजबूत देखभाल प्रणाली भी विकसित करेगी।

इसे प्राप्त करने के लिए, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप कई कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे ताकि बहु-कुशल देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा सके, जिनमें मुख्य देखभाल के साथ-साथ स्वास्थ्य, योग और चिकित्सा सहायक उपकरणों के संचालन जैसे संबद्ध कौशल भी शामिल हों। आने वाले वर्ष में 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मौजूदा संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा और निजी एवं सरकारी दोनों क्षेत्रों में नए संबद्ध स्वास्थ्य

पेशेवर संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इसमें ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी तकनीक, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान और व्यवहारिक स्वास्थ्य सहित 10 चयनित विषय शामिल होंगे और अगले पांच वर्षों में एक लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि वृद्धावस्था देखभाल और संबद्ध देखभाल सेवाओं को शामिल करते हुए एक मजबूत देखभाल प्रणाली विकसित की जाएगी। बहु-कुशल देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एनएसक्यूएफ-अनुरूप विभिन्न कार्यक्रम बनाए जाएंगे, जिनमें मुख्य देखभाल और स्वास्थ्य, योग और चिकित्सा सहायक उपकरणों के संचालन जैसे संबद्ध कौशल शामिल होंगे। आगामी वर्ष में 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। भारत को चिकित्सा पर्यटन के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सरकार निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में, राज्यों को देश भर में पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने में सहायता देने के लिए एक योजना शुरू करेगी। ये केंद्र चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान सुविधाओं को मिलाकर एकीकृत स्वास्थ्य सेवा परिसर के रूप में कार्य करेंगे। इन केंद्रों में आयुष केंद्र, चिकित्सा मूल्य पर्यटन सुविधा केंद्र और निदान, पश्चात देखभाल और पुनर्वास के लिए बुनियादी ढांचा शामिल होगा।

शी माट्र्स से लेकर गर्ल्स हॉस्टल तक बजट में महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 में महिलाओं और लड़कियों को आर्थिक व शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया है। इस बजट में इनकम जेनरेशन, महिला उद्यमिता और सुरक्षित शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को केंद्र में रखा गया है।

सरकार ने लखपति दीदी योजना को और मजबूत करने का ऐलान किया है। इस योजना के तहत महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों को ?5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण सरकारी सब्सिडी के साथ दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़कर उन्हें कम से कम ?1 लाख सालाना आय के स्तर तक पहुंचाना है।

लखपति दीदी मॉडल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने 'शी माट्र्स' लॉन्च करने की घोषणा की है। ये मार्ट पूरी तरह से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा चलाए और प्रबंधित किए जाएंगे। यहां पर महिलाओं द्वारा बनाए गए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद बेचे जाएंगे। बिचौलियों को हटाकर शी माट्र्स का लक्ष्य मुनाफा बढ़ाना, महिलाओं द्वारा ब्रांड बिल्डिंग को बढ़ावा देना और उन्हें उनके व्यवसायों का सच्चा स्वामित्व देना है। बजट में महिला रोजगार और आय वृद्धि योजना की भी घोषणा की गई है। इसका फोकस ऐसे स्केलेबल मॉडल पर होगा जहां महिलाएं सिर्फ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि एंटरप्रेन्योर और निर्णय लेने वाली भूमिका में होंगी।

शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ी घोषणा के तहत देश के हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाएंगे। इससे छात्राओं को सुरक्षित और किफायती आवास मिलेगा और खासकर ग्रामीण इलाकों की लड़कियों में ड्रॉपआउट रेट कम होने की उम्मीद है।

रणजी ट्रॉफी : पुडुचेरी ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

पुडुचेरी। जसवंत श्रीराम (57) और अजय रोहेरा (नाबाद 49) की शानदार पारियों की बदौलत पुडुचेरी ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के चौथे दिन राजस्थान को पांच विकेट से हरा दिया। आज यहां पुडुचेरी ने कल के दो विकेट पर 51 रन से आगे खेलना शुरु किया।

सुबह के सत्र में मोहित चांगरा ने पुनीत दाते (25) को आउटकर राजस्थान को तीसरी सफलता दिलाई। 31वें ओवर में अजय सिंह ने जसवंत श्रीराम को आउटकर पुडुचेरी को चौथा झटका दिया। जसवंत श्रीराम ने 87 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली।

राममूर्ति राघवन (छह) रन बनाकर मोहित चांगरा का शिकार बने। पुडुचेरी ने 44.1 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। राजस्थान के लिए मोहित चांगरा ने चार विकेट लिये। अजय सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद बीसीबी का बड़ा कदम, बांग्लादेश टी20 कप का किया ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तेजी से प्रतिक्रिया दी है। बोर्ड ने देश के शीर्ष व्हाइट-बॉल खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में बनाए रखने के लिए एक नई घरेलू टूर्नामेंट ओडोमो बांग्लादेश टी20 कप 2026 की घोषणा की है। 'ओडोमो' यानी 'अदम्य' नाम वाला यह टूर्नामेंट सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पुरस्कार राशि, मैच फीस और रणनीतिक नियमों के साथ पूरी तरह प्रतिस्पर्धी इवेंट होगा।

ग्रुप स्टेज के मुकाबले 5, 6 और 7 फरवरी को खेले जाएंगे, जबकि 9 फरवरी को फाइनल आयोजित होगा। हर मैच के दिन शाम 4 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम और शाम 6 बजे से मुकाबले शुरू होंगे।

यह टूर्नामेंट ऐसे समय में हो रहा है, जब बीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न जाने का फैसला किया था–एक ऐसा निर्णय जिससे कई खिलाड़ी असहमत बताए गए और अंततः स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में जगह मिली। बीसीबी ने साफ किया है कि ओडोमो टी20 कप केवल एक 'कंसोलेशन टूर्नामेंट' नहीं होगा। बोर्ड ने 2.5 करोड़ टका (करीब 1.87 करोड़ रुपये) की कुल पुरस्कार राशि और खिलाड़ियों की फीस तय की है। बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक, खिलाड़ियों को मैच फीस के साथ अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिए जाएंगे, ताकि मुकाबलों की प्रतिस्पर्धा बनी रहे और खिलाड़ी इसे गंभीरता से लें।

ओडोमो टी20 कप में इम्पैक्ट प्लेयर नियम भी लागू किया जाएगा, जिससे टीमों को मैच के दौरान रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। इससे घरेलू क्रिकेट में आधुनिक टी20 ट्रेंड्स को अपनाने और खिलाड़ियों की टैक्टिकल समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

टूर्नामेंट से पहले बीसीबी 1 फरवरी से शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में फिटनेस कैंप आयोजित करेगा। इसका मकसद खिलाड़ियों को मैच-फिट रखना और प्रतिस्पर्धी लय में लाना है, ताकि वे ग्लोबल इवेंट के दौरान भी उच्च स्तर का प्रदर्शन कर सकें।

बजट से पहले आई खुशखबरी जीएसटी संग्रह से भरा सरकार का खजाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बजट 2026 से पहले जीएसटी वसूली का आंकड़ा आ गया है। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जनवरी में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कुल 'रिफंड' में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 22, 665 करोड़ रुपए रहा। जनवरी में शुद्ध माल एवं सेवा कर राजस्व में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

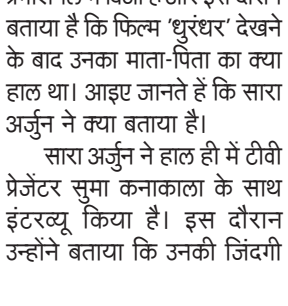

तंबाकू उत्पादों से उपकर संग्रह जनवरी में 5, 768 करोड़ रुपए रहा। जनवरी, 2025 में यह 13, 009 करोड़ रुपए रहा था, जब कार तथा तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था।

सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं जिससे सामान सस्ता हो गया। साथ ही, पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है।

जनवरी में घरेलू लेनदेन से सकल कर संग्रह 4.8 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपए हो गया जबकि आयात राजस्व 10.1 प्रतिशत बढ़कर 52, 253 करोड़ रुपए रहा।

शेयर बाजार से लेकर क्रिप्टो, सोना-चांदी सब धड़ाम, निवेशकों को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026 पेश किया लेकिन बजट से शेयर बाजार को खास राहत नहीं मिली। बजट भाषण खत्म होते ही बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स एक समय 2, 370 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि बाद में बाजार में हल्की रिकवरी आई लेकिन निवेशकों की चिंता बनी रही।

बजट वाले दिन सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि सोना, चांदी और क्रिप्टोकरेंसी बाजार भी दबाव में नजर आए। ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट में पिछले 24 घंटे के दौरान 18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की वैल्यू स्वाहा हो गई।

कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 6 फीसदी से ज्यादा गिर गया। शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे यह 2.83 ट्रिलियन डॉलर था, जो घटकर 2.63 ट्रिलियन डॉलर रह गया यानी एक दिन में करीब 0.20 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 18 लाख करोड़ रुपए) की गिरावट दर्ज की गई। बजट 2026 में क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को कोई राहत नहीं दी गई। उम्मीद थी कि सरकार मुनाफे पर लगने वाले 30 फीसदी टैक्स में कटौती करेगी या नुकसान को सेट-ऑफ करने की अनुमति देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी क्रिप्टो बाजार पर दबाव बढ़ाया।

रविवार को शेयर बाजार में आई गिरावट की बड़ी वजह फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी रही। बजट में इस ऐलान के बाद निवेशकों ने जमकर बिकवाली की। इसका असर बाजार की कुल वैल्यू पर भी पड़ा। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 लाख करोड़ रुपये घटकर 453.87 लाख करोड़ रुपये रह गया।

रविवार को बिटकॉइन की कीमत में भी तेज गिरावट देखने को मिली। 24 घंटे में यह करीब 6 फीसदी टूटकर 80 हजार डॉलर के नीचे आ गया। दोपहर करीब 2 बजे बिटकॉइन 78, 600 डॉलर के आसपास कारोबार करता दिखा। अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में भी भारी गिरावट आई। इथेरियम 8 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई, सोलाना में भी करीब 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पाई नेटवर्क कॉइन 4 फीसदी से ज्यादा टूट गया।

यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड जनवरी में हुआ इतने का ट्रांजैक्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाला लेनदेन जनवरी महीने में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में यूपीआई के माध्यम से 21.70 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल राशि 28.33 लाख करोड़ रुपए रही।

आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में रोजाना औसतन 70 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए। प्रतिदिन औसतन 91, 403 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। यह दिसंबर के मुकाबले अधिक है, जब रोजाना औसतन 69.8 करोड़ ट्रांजैक्शन और 90, 217 करोड़ रुपए का लेनदेन दर्ज किया गया था।

दिसंबर 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या सालाना आधार पर 29इ बढ़कर 21.63 अरब हो गई थी, जबकि ट्रांजैक्शन वैल्यू 20इ बढ़कर 27.97 लाख करोड़ रुपए तक पहुंची थी। जनवरी के आंकड़े इस मजबूत रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। एनपीसीआई के मुताबिक, आईएमपी के जरिए दिसंबर में कुल 6.62 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो सालाना आधार पर 10इ अधिक रहा और नवंबर के 6.15 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा था।

वर्ल्डलाइन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 70.9 करोड़ एक्टिव यूपीआई क्यूआर कोड हो चुके हैं, जो जुलाई 2024 के मुकाबले 21इ की वृद्धि दर्शाता है। वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार, किराना दुकानों, मेडिकल स्टोर्स, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर कोड की आसान उपलब्धता ने 'स्कैन एंड पे' को देशभर में सबसे लोकप्रिय भुगतान माध्यम बना दिया है।

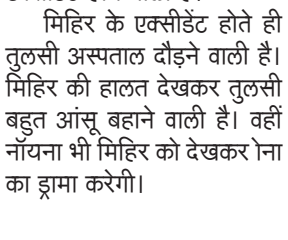

'धुरंधर' देखने के बाद सारा अर्जुन के पेरेंट्स का हुआ था ये हाल, एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

साल 2025 के दिसंबर में सिनेमाघरों में आई फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म को वर्ल्डवाइड भी जबरदस्त कलेक्शन किया है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' को बड़े पर्दे पर करीब दो महीने होने जा रहे हैं। ये फिल्म अब तो अब ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। इसी बीच फिल्म की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने एक रिएक्शन दिया है जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'यूफोरिया' के प्रमोशनल में बिजी हैं और इस दौरान बताया है कि फिल्म 'धुरंधर' देखने के बाद उनका माता-पिता का क्या हाल था। आइए जानते हें कि सारा अर्जुन ने क्या बताया है।

सारा अर्जुन ने हाल ही में टीवी प्रेजेंटर सुमा कनाकाला के साथ इंटरव्यू किया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी का सबसे खुशी वाला दिन कौन सा था। सारा अर्जुन ने बताया, 'मेरे माता-पिता खुशी के आंसू रो रहे थे। मेरे लिए ये सबसे खास दिन था। उनकी खुशी देखकर जो महसूस हुआ वो शब्दों में बताना मुश्किल है।' सारा अर्जुन से पूछा गया, 'ये उनकी पढ़ाई से रिलेटेड था।' इस पर एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बिल्कुल नहीं, ये धुरंधर से जुड़ा था।' इस तरह सारा अर्जुन ने बताया है कि उनके माता-पिता का उनकी डेब्यू फिल्म धुरंधर देखकर क्या हाल था। एक्ट्रेस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म इंडस्ट्री की जर्नी को लेकर कहा, 'पोन्नियिन सेल्वन के बाद मैं बोर्डिंग स्कूल गई थी। इसके बाद का प्लान था कि विदेश से एक्टिंग की पढ़ाई करूं। लेकिन उसी दौरान मैजिक साइन कर लिया। फिर मैंने सोचा कि पढ़ाई करती रहूंगी लेकिन जब यूरोफिया ऑफर आया तो कहानी इतनी दिलचस्प थी कि मैं इसका पार्ट बनने से खुद को रोक नहीं पाई। इसके बाद पीएस 2, मैजिक, यूरोफिया और धुरंधर। सच बताऊं तो मैंने धुरंधर साइन की थी तब मैं यूफोरिया की शूटिंग कर रही थी।'

फिल्म 'धुरंधर' में सारा अर्जुन ने पाकिस्तानी राजनेता की बेटी का किरदार निभाया है। उसे भारतीय जासूस (रणवीर सिंह) से प्यार हो जाता है और दोनों शादी कर लेते हैं। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के अलावा संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी जैसे कलाकार हैं।

मौका मिलते ही तीसरा ब्याह रचाएगी परी, कटने वाली है तुलसी की नाक

अमर उपाध्याय और स्मृति ईरानी के सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में कोर्टरूम ड्रामा खत्म हो चुका है। परी को लग रहा था कि रणविजय को तलाक देकर वो बच जाएगी। हालांकि रणविजय ने तो कुछ और ही प्लान बना रखा है। रणविजय अब गरिमा को मोहरा बनाकर परी को परेशान कर रहा है। सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में अब तक आपने देखा, रणविजय परी की कस्टडी मिलते ही परी को परेशान करना शुरू कर देता है। ऐसे में मिहिर अपनी बेटी को सपोर्ट करता है। परी भी रणविजय के साथ रहने के लिए राजी हो जाती है। इसी बीच सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में एक और बड़ा बदलाव आने वाला है।

सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे, तुलसी को मदद करते देखकर परी का पहली बार दिल पिघलेगा। इस बार सच में परी तुलसी को अपनी मां का दर्जा देगी।

मिहिर भी तुलसी पर भरोसा दिखाने वाला है। हालांकि अपने

अतीत को भुला नहीं पाएगी। तुलसी एक बार फिर से मिहिर को नजरअंदाज करेगा। तुलसी की ये बेरुखी मिहिर को परेशान करेगी।

खबर आ रही है कि रणविजय से पीछा छुड़ाने के लिए परी अपने पहले पति अजय के साथ शादी करने वाली है। ऐसा होते ही रणविजय के सीने पर सांप लोट जाएंगे।

मिहिर को पता चलेगा कि उसकी कंपनी बिकने वाली है। अपना गम कम करने के लिए मिहिर शराब पीने वाला है। इस दौरान मिहिर का एक भयंकर एक्सीडेंट होने वाला है।

मिहिर के एक्सीडेंट होते ही तुलसी अस्पताल दौड़ने वाली है। मिहिर की हालत देखकर तुलसी बहुत आंसू बहाने वाली है। वहीं नॉयना भी मिहिर को देखकर ोना का ड्रामा करेगी।

सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 196 बच्चों को हुआ स्वर्णप्राशन - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आज दि. 1 फ़रवरी, 2026 को माघ पूर्णिमा एवं पुष्य नक्षत्र के अवसर पर निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन झंडु इमामी समूह के सौजन्य से किया गया जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के 196 बच्चों को स्वर्ण विन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ) जी एस तोमर ने स्वर्ण बिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन

से बच्चों को दीर्घायु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है । डॉ तोमर ने बताया कि विगत तीन वर्षों से अधिक समय से स्वर्णप्राशन का यह कार्यक्रम प्रति माह निरंतर चलाया जा रहा है । जिसमें अब तक 4000 से अधिक बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जा चुका है । सांख्यिकीय विश्लेषण करने पर इनमें से 75 प्रतिशत बच्चे निरन्तर इसका लाभ ले रहे हैं । प्रत्येक माह 25 प्रतिशत नए बच्चे इसमें जुड़ रहे हैं । पूछे जाने पर अधिकांश अभिभावकों का अभिमत है कि उनके बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक वृद्धि में अभूतपूर्व सुधार हो रहा है तथा बार बार होने वाली मौसमी बीमारियों से भी उनका बचाव हो रहा है । सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक विगत 3 वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाई जा रही है । इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडु इमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया ।

राजस्थान में बड़ा हादसाः कारखाने में फटा ऑक्सीजन सिलेंडर, धमाके में 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत

जयपुर। क्षेत्र में स्थित एक कारखाने में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शनिवार रात विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के करणी विहार कॉलोनी स्थित कारखाने में उस समय हुआ, जब सिलेंडर में ऑक्सीजन भरी जा रही थी तभी एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि कारखाने पर लगी टिन शेड उड़ गई और एक दीवार भी ढह गई। पुलिस ने बताया कि एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई, जिसकी पहचान झारखंड निवासी मुन्ना राय के रूप में हुई है। विश्वकर्मा थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि हादसे में मुरलीपुरा निवासी कारखाना प्रबंधक विनोद गुप्ता (45) और झारखंड निवासी कर्मचारी शिबू उर्फ अनुवा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि विनोद को मणिपाल अस्पताल और शिबू को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

हिंदू सम्मेलन 2026 का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिंदू सम्मेलन 2026 का भव्य एवं अनुशासित आयोजन दिनांक 1 फरवरी 2026, रविवार को दुर्गा पूजा ग्राउंड, सेक्टर-137, नोएडा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति, सेक्टर-137, नोएडा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री विपुल जी के द्वारा गण गीत, सुश्री भावना जी के द्वारा एकल गीत बाल कलाकार गौरांश के द्वारा भजन-संगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों के आगमन पर दीप प्रज्वलन, पूर्वांचल के बाल कलाकारों के द्वारा गणेश वंदना एवं सुपर टेक के बाल कलाकारों के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। श्री प्रमोद राजपूत जी के द्वारा मंच परिचय तथा कार्यक्रम की महती भूमिका प्रस्तुत की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुशल संयोजन का कार्य डॉ विमल गुप्ता के द्वारा किया गया। श्री चन्द्र मोहन जी, राकेश देव जी (अध्यक्ष श्री सनातन धर्म सभा) एवं सतीश जी के साथ बटुक ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सपना दत्ता जी द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं गरिमामय ढंग से किया गया।

सम्मेलन में पूर्वांचल के बाल कलाकारों द्वारा महिषासुर मर्दिनी, गुलशन के बाल कलाकारों द्वारा शिव तांडव, अजनारा के बाल कलाकारों द्वारा प्रियंका एवं रेखा पाण्डे के नेतृत्व में आरम्भ है प्रचण्ड नृत्य गीतिका प्रस्तुत की गई। वीर शिवाजी, ऑपरेशन सिंदूर, युग परिवर्तन जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

मुख्य वक्ता एवं संस्थापक, सनातन महासंघ, हरिद्वार राष्ट्रीय विचारक एवं वक्ता डॉ. गौतम खट्टर जी ने हिंदू समाज की एकता, संस्कृति संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान जगदीप ग्रोवर जी ने की। विशिष्ट वक्ताओं में राष्ट्रवादी विचारक एवं सनातन धर्म प्रचारक गायत्री पीठ हरिद्वार पूज्य दीदी मुस्कान रघुवंशी जी एवं प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय कवि एवं वक्ता श्रीमान अमित शर्मा जी प्रमुख रहे। आशीर्वचन श्रीमान जगदीप राय जी द्वारा प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में श्री निखिल जी के द्वारा सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापन के साथ भारत माता की आरती की गई। तत्पश्चात् सपरिवार भोजन-प्रसाद की भी व्यवस्था रही। सम्मेलन सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नोएडा महानगर के प्रचारक डॉ सुमित जी, श्री सौरभ जी, सनातन धर्म सभा के कार्यकर्ताओं श्री सुरेश, रीना, श्रीमती अंजू, श्री माधव, श्री संजीव दत्ता जी, श्री आलोक पांडेय जी, अवनीश जी सहित सेक्टर 137 की सभी सोसायटियों से जुड़े सुधीजनों की उपस्थिति रही।

हुमायूं कबीर के नफरत भरे भाषण कबूलनामे पर भाजपा का वार, यह टीएमसी का प्लान बी है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और पार्टी सांसद सामिक भट्टाचार्य ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। यह हमला तब हुआ जब टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 2024 के चुनाव में अपने नफरत भरे भाषण को भड़काने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए भट्टाचार्य ने टीएमसी और जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर दोनों पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और इसे टीएमसी की 'प्लान बी' बताया। उन्होंने कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस की प्लान बी है। हुमायूं टीएमसी है और टीएमसी हुमायूं है। ममता बनर्जी कट्टरपंथियों के आगे झुकती हैं। वह समाज को धार्मिक आधार पर बांटना चाहती हैं और फिर चुनाव कराना चाहती हैं।

आज सुबह भाजपा नेता अमित मालवीय ने पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के इस दावे की आलोचना की कि ममता बनर्जी ने उन्हें 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाया था। मालवीय ने नफरत फैलाने वाले भाषण से धमकियों और फिर राजनीतिक प्रोत्साहन के दावे तक बात पहुंचने की कड़ी निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम में कबीर द्वारा दिए गए बयान का हवाला देते हुए हिंदुओं के खिलाफ उनके नफरत भरे भाषण की आलोचना की। मालवीय ने लिखा, 'ममता बनर्जी ने मुझे यूसुफ पठान की जीत सुनिश्चित करने के लिए

हिंदुओं के खिलाफ नफरत भरे भाषण देने के लिए कहा था - टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर। यह वही हुमायूं कबीर हैं जिन्होंने 2024 में खुलेआम धमकी दी थी कि वे हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंक देंगे। इस बात पर गौर करें। नफरत फैलाने वाला भाषण। धमकियां। और अब यह दावा कि इसे राजनीतिक प्रोत्साहन दिया गया था।

कार्यक्रम के पहले भाग में कबीर ने 2024 में हिंदुओं के खिलाफ की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी और आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के लिए टीएमसी के प्रचार के दौरान यूसुफ पठान की जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर उन्हें यह भाषण देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुओं से नफरत नहीं की और न ही जानबूझकर कभी ऐसा कुछ करेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे खेद है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं। हुमायूं कबीर कभी भी जानबूझकर ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। जब गुस्सा शांत हो जाएगा, तो आप समझ जाएंगे कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। 1 मई 2024 को दिए गए बयानों के लिए मुझे खेद है। कई हिंदू मानते हैं कि मैं हिंदुओं से नफरत करता हूं, लेकिन 63 साल की उम्र में, 42 साल के राजनीतिक अनुभव के साथ, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया है।

बांग्लादेश में अवामी लीग लीडर की जेल में संदिग्ध मौत

छात्र नेता की नृशंस हत्या! अंतरिम सरकार पर उठे गंभीर सवाल

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग से जुड़े दो नेताओं की अलग-अलग घटनाओं में मौत ने अंतरिम सरकार और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी नेताओं और परिजनों का आरोप है कि यह घटनाएं राजनीतिक दमन और लक्षित हिंसा का नतीजा हैं। चटगांव में अवामी लीग के वरिष्ठ नेता अब्दुर रहमान मिया (70) की जेल हिरासत में मौत हो गई। वे चटगांव सिटी अवामी लीग की वार्ड-24 (नॉर्थ अग्राबाद) इकाई के उपाध्यक्ष थे। परिजनों के अनुसार, मिया को उन्नत फेफड़ों के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियां थीं, इसके बावजूद उन्हें जमानत नहीं दी गई और उचित चिकित्सा भी उपलब्ध नहीं कराई गई। बताया गया है कि 17 नवंबर 2025 को उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे नमाज पढ़ने के लिए घर से निकल रहे थे और चलने में भी असमर्थ थे। पुलिस ने उन्हें कोतवाली थाने में दर्ज एक मामले में हिरासत में लिया। परिवार का कहना है कि उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और तीन महीने बाद हिरासत में ही उनकी मौत हो गई। अब तक अधिकारियों की ओर से मौत के कारणों पर कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है। दूसरी घटना नरसिंदी जिले की है, जहां अज़ीमुल कादेर भुइयां (45) का क्षत-विक्षत शव एक नाले से बरामद किया गया। वे पेशे से पोल्ट्री व्यवसायी थे और पहले अवामी लीग की छात्र शाखा छात्र लीग से जुड़े रहे थे। अवामी लीग नेताओं ने आरोप लगाया कि हत्या में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े तत्वों का हाथ हो सकता है और अंतरिम सरकार ने दंडमुक्ति का माहौल बना दिया है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल किसी राजनीतिक साजिश की पुष्टि नहीं की है और जांच जारी बताई है। इन दोनों घटनाओं के बाद विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों ने मनमानी गिरफ्तारियों, हिरासत में मौत और राजनीतिक हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

बांग्लादेश में भीड़ हिंसा का कहर : जनवरी में पीट-पीटकर 21 लोगों की हत्या, 257 महिलाओं व बच्चों पर अत्याचार

ढाका। बांग्लादेश में जनवरी महीने के दौरान भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और जेल हिरासत में मौतों की घटनाओं में खतरनाक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मानवाधिकार संगठन मानबाधिकार शोंगस्कृति फाउंडेशन (श्एइ) की मासिक रिपोर्ट ने देश की कानून-व्यवस्था और मानवाधिकार हालात को 'खतरनाक और जटिल' करार दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में भीड़ हिंसा में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई, जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या 10 थी। एमएसएफ ने कहा कि भीड़ हिंसा पर राज्य की ओर से ठोस और सख्त कार्रवाई न होने से दंडहीनता की संस्कृति को बढ़ावा मिला है, जिससे आम जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हुआ है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अज्ञात शवों की बरामदगी में इजाफा हुआ है।

जनवरी में 57 अज्ञात शव मिले, जबकि दिसंबर में यह संख्या 48 थी।जेल हिरासत में मौतें भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। जनवरी में 15 कैदियों की जेल में मौत हुई, जबकि दिसंबर में यह आंकड़ा 9 था। इसके अलावा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की हिरासत में दो लोगों की मौत की भी रिपोर्ट सामने आई। एमएसएफ ने इन मौतों के लिए चिकित्सकीय लापरवाही, अमानवीय हालात और जेल प्रशासन की खामियों को जिम्मेदार ठहराया।

आगामी 13वें राष्ट्रीय चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा में भी तेजी देखी गई। जनवरी में चुनावी झड़पों में चार लोगों की मौत और 509 लोग घायल हुए, जबकि दिसंबर में सिर्फ एक मौत दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि राजनीतिक मामलों में अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाए जाने की प्रवृत्ति खतरनाक रूप से बढ़ी है। दिसंबर में जहां 110 अज्ञात आरोपी दर्ज किए गए थे, वहीं जनवरी में यह संख्या बढ़कर 320 हो गई। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की स्थिति भी बेहद चिंताजनक रही। जनवरी में 257 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 34 बलात्कार और 11 सामूहिक बलात्कार के मामले शामिल हैं। अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले भी बढ़े हैं। मंदिरों और मूर्तियों में चोरी, तोड़फोड़ और नुकसान की 21 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि दिसंबर में यह संख्या सिर्फ छह थी। एमएसएफ ने सरकार से सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की तत्काल और निष्पक्ष जांच कराने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि न्याय व्यवस्था पर भरोसा बहाल हो सके।

खामेनेई की कड़ी चेतावनी : अमेरिका ने हमला किया तो बुरा होगा अंजाम, पूरे पश्चिम एशिया तक फैलेगी जंग की आग

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वाशिंगटन ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, तो यह संघर्ष सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में लेने वाला क्षेत्रीय युद्ध बन जाएगा। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार, खामेनेई ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'अमेरिकियों को यह जान लेना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा।' खामेनेई की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दे चुके हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका वास्तव में हमला करेगा या नहीं, लेकिन खामेनेई के बयान को सीधी और गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

खामेनेई ने कहा कि ईरान किसी भी देश पर हमला करने की पहल नहीं करता और न ही वह युद्ध चाहता है। उन्होंने जोड़ा, 'हम उकसाने वाले लोग नहीं हैं, लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी हमले या उत्पीड़न का करारा जवाब देगा।' इस बयान से संकेत मिलता है कि ईरान अमेरिका या उसके सहयोगियों की किसी भी कार्रवाई का जवाब केवल सीधे तौर पर नहीं, बल्कि अपने क्षेत्रीय प्रभाव और सहयोगी गुटों के जरिए भी दे सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, ईरान की चेतावनी का मतलब है कि संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा।

इराक, सीरिया, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र, ईरान समर्थित सशस्त्र गुट, इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकाने, इन सभी के युद्ध में घसीटे जाने की आशंका है। यही वजह है कि खामेनेई 'क्षेत्रीय युद्ध' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका टकराव की आशंका ने पहले से अस्थिर पश्चिम एशिया में चिंता बढ़ा दी है। कूटनीतिक हल की संभावनाओं के बीच यह बयान संकेत देता है कि अगर हालात बिगड़े, तो इसका असर तेल बाजार, वैश्विक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय

अल्लाह का नाम लेकर महिलाओं पर बांग्लादेशी नेता ने जो कहा, सब हैरान!

ढाका। बांग्लादेश से एक ऐसा नया बयान सामने आया है जिसने पूरी दुनिया को हैरान करके रख दिया है। यह बयान सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि महिलाओं की भूमिका, उनकी सुरक्षा और उनके अधिकारों पर सीधा सवाल खड़ा करता है। एक बार फिर से बांग्लादेश की राजनीति में कट्टरपंथी सोच खुलकर सामने आ गई है और यह बयान आया है कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात इस्लामी के प्रमुख शफीक उर रहमान की तरफ से। तो सवाल सीधा उठता है कि जिस देश को दशकों तक महिलाओं ने लीड किया वहीं पर आज महिला नेतृत्व को असंभव बताया जा रहा है। दरअसल जमात इस्लामी प्रमुख शफीक उर रहमान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी कट्टरपंथी सोच का एक नमूना पेश किया। उन्होंने बयान देते हुए यह कहा कि हमारी पार्टी में कभी भी कोई महिला प्रमुख नहीं बन सकती। उन्होंने इसके पीछे धार्मिक दायित्व और जैविक सीमाओं को उनका तर्क दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अल्लाह ने पुरुष और महिलाओं को अलग-अलग बनाया है। पुरुष बच्चे पैदा नहीं कर सकते। उनका ख्याल नहीं रख सकते और वहीं जो यह काम है वो महिला कर सकती है। जो पुरुष नेता है वह अच्छे से बाहर के काम संभाल सकता है। लेकिन महिला नेता वह काम नहीं कर सकती। इसलिए महिलाओं का जो नेतृत्व है वो बच्चों के लिए है। वह घर के लिए है। यह बयान बता दें कि ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर पहले से ही गंभीर बहस चल रही है।

एपस्टीन दस्तावेजों से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भूचाल स्लोवाकिया के शीर्ष अधिकारी ने दिया इस्तीफा

न्यूयॉर्क। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इन खुलासों के चलते स्लोवाकिया के शीर्ष अधिकारी और संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्व अध्यक्ष मिरोस्लाव लाजैक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे देश के प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को एपस्टीन से संबंधित कई अहम फाइलें सार्वजनिक कीं, जिनमें उसके दुनिया भर के अमीर और प्रभावशाली लोगों से संपर्कों का विवरण शामिल है। ये फाइलें उस अवधि से जुड़ी हैं, जब एपस्टीन फ्लोरिडा में यौन अपराधों के मामले में सजा काट चुका था।

हालांकि लाजैक पर किसी भी तरह के गैरकानूनी कृत्य का आरोप नहीं है, लेकिन एपस्टीन के जेल से रिहा होने के बाद दोनों की मुलाकातों से जुड़ी तस्वीरें और ईमेल सामने आने के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का फैसला किया। इन खुलासों के बाद ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को लेकर भी बहस तेज हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने संकेत दिया कि प्रिंस एंड्रयू को एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़ी जो भी जानकारी है, उसे अमेरिकी जांच एजेंसियों के साथ साझा करना चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दस्तावेजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने फाइलें खुद नहीं देखीं, लेकिन उन्हें बताया गया है कि ये दस्तावेज उन्हें दोषमुक्त करते हैं और कुछ वामपंथी हलकों की उम्मीदों के बिल्कुल उलट हैं।

न्याय मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी रिकॉर्ड में प्रिंस एंड्रयू, ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन, न्यूयॉर्क जायंट्स के सह-मालिक स्टीव टिस्क, अरबपति बिल गेट्स, एलन मस्क, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहूद बराक, गूगल के सह-संस्थापक सर्गी ब्रिन और कई अन्य प्रमुख नामों से जुड़ा पत्राचार शामिल है। दस्तावेजों के अनुसार, एफबीआई ने जुलाई 2006 में एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की थी। रिकॉर्ड यह भी पुष्टि करते हैं कि एपस्टीन के अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप दोनों के साथ व्यक्तिगत संबंध थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)